रांची, बुधवार
01.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 209, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

जनरल धीरज सेठ ने नये सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली : जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को 31 वें सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया। उन्हें जनरल उपेंद्र द्विवेदी के स्थान पर यह जिम्मेदारी दी गयी है जो चार दशक से भी लंबी सेवा के बाद आज सेवानिवृत हो गये। जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में उन्हें आर्म्ड कोर में कमीशन मिला था। लगभग चार दशकों के शानदार मिलिट्री करियर के दौरान उन्हें संचालन, रणनीतिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में कार्य का व्यापक अनुभव है। उन्होंने भारतीय सेना की युद्ध क्षमता और सेना में सुधारों में अहम योगदान दिया है। जनरल ऑफिसर ने अलग-अलग संचालन माहौल में अनेक पदों पर रहते हुए कमान संभाली है। वह रेगिस्तानी इलाके में एक आर्म्ड रेजिमेंट, पश्चिमी थिएटर में आर्म्ड ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद-विरोधी फोर्स की कमान संभालना चुके हैं। लेफ्टिनेंट जनरल के तौर पर, उन्होंने भारतीय सेना के प्रमुख स्ट्राइक फॉर्मेशन में से एक, सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के तौर पर काम किया और अहम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मिलिट्री कार्यक्रमों में औपचारिक जिम्मेदारियों को संभाला।

छत्तीसगढ़ नौगई ट्रिपल मर्डर जांच करेगी सीबीआई

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने कोरिया जिले के कटगोड़ी नौगई ट्रिपल मर्डर केस की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस सम्बन्ध में गृह विभाग द्वारा मंगलवार को इसकी अधिसूचना (नोटिफिकेशन) भी जारी कर दी गई। छत्तीसगढ़ के गृह विभाग ने दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 की धारा-6 के तहत अपनी आधिकारिक सहमति (अधिसूचना) जारी की है। इसके तहत सोनहत थाने में दर्ज दोनों एफआईआर की जांच का अधिकार क्षेत्र अब सीधे तौर पर सीबीआई को सौंप दिया गया है। वर्ष 2023 में साय सरकार बनने के बाद यह दूसरा मामला है, जिसकी सीबीआई जांच की सिफारिश की गई है।

मुख्यमंत्री ने हुल विद्रोह के महान नायकों और अमर शहीदों सिदो-कान्हू को अर्पित की श्रद्धांजलि

हूल विद्रोह अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष की अमर प्रेरणा : हेमन्त

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर रांची के मोरहाबादी स्थित सिदो-कान्हू उद्यान पहुंचकर हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हूल विद्रोह को देश के इतिहास में शोषण और अन्याय के विरुद्ध छेड़े गए सबसे बड़े जनआंदोलनों में से एक बताते हुए कहा कि इसकी प्रेरणा आज भी समाज को अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने का साहस देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक है, जब आदिवासी समाज के वीरों ने अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ निर्णायक आवाज बुलंद की थी। उन्होंने कहा कि उस समय देश में शोषित और वंचित लोगों के पास अन्याय से मुक्ति का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था। ऐसे कठिन दौर में अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना शोषण के विरुद्ध हूल क्रांति का बिगुल फूंका।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वीर सपूतों ने यह संदेश दिया कि अन्याय और अत्याचार के सामने कभी झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में जहां कहीं भी कमजोर और वंचित वर्गों का शोषण होता है, वहीं से संघर्ष और परिवर्तन की नई शुरूआत होती है। इसलिए हूल विद्रोह केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए सतत प्रेरणा का स्रोत है।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड की पहचान वीरों और बलिदानियों की धरती के रूप में रही है। यहां समय-समय पर अनेक महापुरुषों ने समाज और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। राज्य सरकार ऐसे सभी महापुरुषों के योगदान को सम्मानपूर्वक याद करती है और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि क्रांति की आग कभी बुझती नहीं है और न ही उसे बुझाया जा सकता है। क्रांति की चिंगारी हमेशा समाज में जीवित रहती है और समय आने पर अन्याय के खिलाफ लोगों को एकजुट होने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि देश के विभिन्न स्मारकों पर शहीदों की स्मृति में अखंड ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहती है। दिल्ली के राजघाट और इंडिया गेट पर जलने वाली ज्योति इसी अमर बलिदान और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हूल विद्रोह के महानायकों का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में अंकित है और आने वाली पीढ़ियां भी उनके साहस, त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेती रहेंगी। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि वे अमर शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और सामाजिक न्याय, समानता तथा मानवता के मूल्यों को मजबूत बनाने में योगदान दें।

इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन ने भी अमर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने हूल विद्रोह के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

देशभर में आज से लागू होगा वीबी-जी राम-जी अधिनियम

एजेंसी

नई दिल्ली। विकसित भारतझगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम-जी) अधिनियम बुधवार से पूरे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा। यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार, आजीविका सुरक्षा और गांवों के सतत विकास को नई मजबूती देगा। इसके तहत पात्र ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार की वैधानिक गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।

अधिनियम के देशव्यापी क्रियान्वयन से पहले केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जारी वक्तव्य में कहा कि कोई भी पात्र ग्रामीण श्रमिक एक भी दिन काम से वंचित न रहे, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर अधिनियम के सुचारु क्रियान्वयन के लिए सभी प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। रोजगार की गारंटी को 125 दिनों तक बढ़ाने से ग्रामीण परिवारों की आजीविका और मजबूत होगी, टिकाऊ सामुदायिक परिसंपत्तियों का निर्माण होगा तथा विकसित भारत के लक्ष्य को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि देशभर में अधिनियम के सुचारु क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 95,692.31 करोड़ रुपये की अंतरिम राशि पहले ही आवंटित की जा चुकी है। इससे अधिनियम लागू होने के पहले दिन से रोजगार उपलब्ध कराने, समय पर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और विकास कार्यों को बिना किसी बाधा के जारी रखने में मदद मिलेगी।

सरकार ने नए ढांचे में निर्बाध बदलाव सुनिश्चित किया है। पहले से चल रहे सभी कार्य जारी रहेंगे। जिन श्रमिकों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है, उनके मौजूदा जॉब कार्ड ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक मान्य रहेंगे, ताकि रोजगार और मजदूरी भुगतान में किसी प्रकार की रुकावट न आए।

झारखंड दौरे पर 02 जुलाई को रांची आएंगे के राजू

बिभा संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सीडब्ल्यूसी के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड प्रभारी के राजू राज्यड दौरे को लेकर 02 जुलाई को रांची पहुंचेंगे। के राजू 06 जुलाई तक राज्य भर में पार्टी का संगठनात्मक दौरा करेंगे। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि के राजू रांची, लातेहार, पलामू, रामगढ़ और हजारीबाग जिलों का दौरा करेंगे। वे पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक कांग्रेस पदाधिकारियों, जीपीसीसी सदस्यों, प्रखंड कांग्रेस कमेटियों और जिला कांग्रेस कमेटियों के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती, बूथ सशक्तिकरण एवं आगामी राजनीतिक तथा संगठनात्मक

कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे। साथ ही विभिन्न गांवों का भ्रमण कर कार्यकताओं और आम जनता से बातचीत भी करेंगे। सिन्हा ने बताया कि 05 जुलाई को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, में एसआईआर समिति के सदस्यों, प्रदेश पदाधिकारियों, जिला प्रभारियों, जिला अध्यक्षों और विभिन्न मोर्चा एवं विभागों के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

हूल क्रांति के अमर सेनानियों का त्याग और बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को 'हूल दिवस' के अवसर पर रांची स्थित लोकभवन में हूल क्रांति के अमर महानायक सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने हूल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका संघर्ष देश की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय की लड़ाई का अमिट अध्याय है।

राज्यपाल ने कहा कि हूल क्रांति भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है। सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो सहित हूल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों ने अन्याय, शोषण, अत्याचार और औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध

असाधारण साहस का परिचय दिया। उन्होंने अपने अधिकारों, स्वाभिमान और जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

राज्यपाल ने कहा कि हूल आंदोलन केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि यह सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता की चेतना का सशक्त प्रतीक था। इस आंदोलन ने अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध आदिवासी समाज की एकजुटता और संघर्ष की भावना को पूरे देश के सामने प्रस्तुत किया। हूल क्रांति के वीर सेनानियों का त्याग और बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन हमें उन महान विभूतियों के आदर्शों को आत्मसात करने तथा समाज में समानता, न्याय, भाईचारे और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से भी हूल आंदोलन के इतिहास और उसके मूल्यों को जानने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सिदो-कान्हू सहित हूल आंदोलन के सभी अमर सेनानियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके संघर्ष एवं बलिदान को नमन किया।

स्वस्थ भारत से ही विकसित भारत का निर्माण संभव : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि स्वस्थ भारत से ही विकसित भारत का निर्माण संभव है।

देश में निवारक स्वास्थ्य देखभालको अब ज्यादा महत्व दिया जा रहा है, ताकि लोग गंभीर बीमारियों से पहले ही सुरक्षित रह सकें। स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की नींव है और इस दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है।

मंगलवार को जे पी नड्डा इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस) के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों

पर समान रूप से ध्यान दिया है। उनके अनुसार, हार्डवेयर का मतलब है अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, जबकि सॉफ्टवेयर का अर्थ है बेहतर नीतियां, प्रशिक्षण और ऐसा शैक्षणिक माहौल जो डॉक्टरों और शोधकताओं को आगे बढ़ने में मदद करे।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 818 हो गई है। इसी तरह एमबीबीएस सीटें लगभग 50 हजार से बढ़कर 1.20 लाख से अधिक हो गई हैं, जबकि पीजी सीटें 30 हजार से बढ़कर 80 हजार से अधिक पहुंच चुकी हैं। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में और 75 हजार नई मेडिकल सीटें जोड़ने का है, जिससे देश में डॉक्टरों की उपलब्धता और बेहतर हो सके।

अपने संबोधन में मंत्री ने यह भी कहा कि आज भारत में 23 एम्स काम कर रहे हैं, जिनमें से कई हाल के वर्षों में शुरू किए गए हैं। यह विस्तार देश में सुपर-स्पेशियलिटी इलाज और मेडिकल शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की भूमिका को अहम बताया। देशभर में 1.85 लाख से अधिक ऐसे केंद्र काम कर रहे हैं, जो लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यहां बड़ी संख्या में लोगों की ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों की जांच की जा रही है। समय पर जांच से कई मरीजों में बीमारी का शुरूआती चरण में ही पता लग रहा है, जिससे इलाज आसान हो रहा है।

नड्डा ने कहा कि देश में निवारक स्वास्थ्य देखभाल को अब ज्यादा महत्व दिया जा रहा है, ताकि लोग गंभीर बीमारियों से पहले ही सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की नींव है और इस दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है।

राज्य में आज से चार जुलाई तक तेज बारिश और आंधी की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट जारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। इसे देखते हुए रांची स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में 01 जुलाई से 04 जुलाई तक तेज बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के

विभिन्न जिलों में इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही कई इलाकों में गरज के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए नागरिक विशेष सावधानी बरतें।

विभाग के अनुसार, 02 जुलाई और 06 जुलाई को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान पूरे राज्य में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए येलो अलर्ट भी जारी किया है। विभाग ने किसानों, खुले स्थानों पर काम करने वाले लोगों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। खराब मौसम के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने, खुले मैदानों में रहने और बिजली के खंभों के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में सबसे अधिक 64.5 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में दर्ज की गई। वहीं अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज हुआ।

मंगलवार को राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही बादल छाए रहे। दोपहर बाद हल्की बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही, जिससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

राज्य के प्रमुख शहरों के तापमान पर नजर डालें, तो रांची में अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 36.8 डिग्री और न्यूनतम 24.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 39.4 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम 36.4 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर ट्रेलर में घुसी प्राइवेट बस, चार की मौत

एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर आज तड़के करीब साढ़े तीन बजे हुए हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 19 लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शवों की शिनाख्त कर ली है। सूचना पाकर पहुंचे जिलाधिकारी (डीएम) चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया।

पुलिस अधीक्षक (देहात) सुरेश चन्द्र रावत ने बताया कि, गोला बस सर्विस की एक तेज रफ्तार वोल्वो बस लखनऊ से 65 यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही थी। मंगलवार सुबह करीब 3:41 बजे थाना राया क्षेत्र के राया कट के पास यमुना एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 112-113 के बीच मैनपुरी के रहने वाले चालक उपदेश यादव को झपकी आने से बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे एक ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस बल के साथ एसडीआरएफ और फायर सर्विस की टीमों ने पहुंचकर संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बस में फंसे घायलों को निकालकर तुरंत एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल मथुरा भेजा, जहां कई लोगों की हालत गंभीर है। चार लोगों की मौत हो गई है। हादसे में जान गंवाने वालों की शिनाख्त चालक मैनपुरी निवासी उपदेश यादव, उन्नाव के खुर्शीद व कासिमपुर के मुबारिक और अमेठी निवासी हरिओम के तौर पर हुई। हादसे के बाद हाइड्रा की मदद से क्षतिग्रस्त बस को हटाकर यातायात सुचारु कराया गया। शुरूआती जांच में सामने आया है कि हादसे के समय नियमित ड्राइवर नहीं, बल्कि कंडक्टर बस चला रहा था।

रांची विश्वविद्यालय में हूल दिवस पर सिदो कान्हो को याद किया गया

बिभा संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय मुख्यालय में हुल दिवस मनाया गया। कुलपति सभागार में एक आयोजन कर हुल क्रांति के नायकों सिदो ,कान्हो, चांद, भैरव और फूलो, झानो को याद किया गया। 1855 में इन सभी क्रांतिकारियों ने लगान नहीं देने और जल जंगल जमीन की रक्षा के लिये अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया था जिसे संथाल विद्रोह भी कहा गया। इस अवसर पर सभागार में वीर क्रांतिकारियों की तस्वीर पर माल्यार्पणकर कर श्रद्धा सुमन अर्पित किय गया।

माननीय कुलपति रांची विश्वविद्यालय प्रो. सरोज शर्मा ने अपने संदेश में हुल दिवस के नायकों सिदो कान्हो को याद करते हुये कहा कि स्वतंत्रता के संघर्ष में झारखंड के अपने इन नायकों को हम अंतर्मन से याद करते हैं और झारखंड को हर क्षेत्र में संवारना ही अपने इन नायकों के प्रति हम सबकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आरयू के कुलसचिव डॉ. राजकुमार शर्मा ने कहा कि झारखंड वीर क्रांतिकारियों की भूमि रही है और यह गर्व का विषय है कि अंग्रेजों की जमींदारी प्रथा के खिलाफ सिदो कान्हो ,चांद, भैरव ने क्रांति की चिंगारी पैदा की। आज हम अपने नायकों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

इस अवसर पर अन्य प्राध्यापकों और पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये और कहा कि हमारा ये कर्त्तव्य है कि आज की पीढ़ी को हुल क्रांति के अमर शहीद नायकों के बारे में बतायें।

कार्यक्रम में आरयू के सीसीडीसी, डॉ॰ पी के झा, एफओ डॉ॰ दिलीप प्रसाद,प्रोक्टर डॉ॰ मुकुंद मेहता, सभी वरीय पदाधिकारी,साइंस डीन डॉ॰वंदना कुमारी, कइ संकायों के डीन विभागों के हेड और विवि कर्मी उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवक की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

बिभा संवाददाता

खलारी। मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के मायापुर पंचायत अंतर्गत केदल गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान केदल गांव निवासी सुबोध कुमार यादव (35), पिता गोबर्धन यादव के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार सुबोध कुमार यादव बुधवार को अपने घर के समीप खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान मौसम अचानक खराब हो गया। बारिश की संभावना को देखते हुए वह खेत से घर लौट रहे थे। तभी तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली उनके ऊपर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गए।घटना के बाद परिजन एवं ग्रामीण तत्काल उन्हें इलाज के लिए मांडर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतक अपने पीछे पत्नी सुनीता देवी, दो छोटे बच्चों एवं भरे-पूरे परिवार को छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।इधर, ग्रामीणों एवं परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि आकाशीय बिजली से हुई इस मौत को प्राकृतिक आपदा मानते हुए मृतक के आश्रितों को सरकार की ओर से निर्धारित आपदा राहत मुआवजा एवं अन्य सरकारी सहायता शीघ्र उपलब्ध कराई जाए।

पिपरवार पुलिस की बड़ी सफलता, टीएसपीसी के दो वांछित उग्रवादी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खलारी/पिपरवार। पिपरवार थाना पुलिस ने उग्रवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित टीएसपीसी संगठन के दो वांछित सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से एक देसी पिस्तौल, जिंदा गोलियां तथा कारतूस बरामद करने का दावा किया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों से पूछताछ की जा रही है।पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिलने पर विशेष टीम का गठन कर छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं, जिनके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध पिपरवार, टंडवा, खलारी, रांची, आरा सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में हथियार अधिनियम, सीएलए एक्ट तथा अन्य गंभीर धाराओं में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों लंबे समय से वांछित थे। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में उग्रवाद और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

सिल्ली हरि मंदिर में नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन संपन्न, जागरण में उमड़ी भीड़

सिल्ली(बिभा): सिल्ली हाट बागान स्थित हरि मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का सोमवार को जागरण के साथ भव्य समापन हुआ। जागरण के दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण हरिनाम की भक्ति में लीन रहा। संकीर्तन में सोंढ़ो, जोयपुर, पुरुलिया महिला मंडली, तोड़ांग, कोलमा, झालदा, तेतला समेत कई स्थानों की प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियों ने बारी-बारी से अपनी प्रस्तुति दी। भक्तिमय भजनों और कीर्तन से श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। ढोल-मृदंग की थाप और हरिनाम की गूंज से क्षेत्र का माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। देर रात आजसू सुप्रीमो सह पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो भी मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में माथा टेका और कीर्तन का श्रवण किया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आयोजन समिति की ओर से विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे किसी को परेशानी न हो। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी,हलवा, प्रसाद और शरबत का वितरण किया गया। मंगलवार सुबह राखाल भोग और हांडी फोड़ की परंपरा के साथ नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का विधिवत समापन हुआ। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर खुशियां बांटी। आयोजन समिति के संरक्षक राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव ने कहा कि संकीर्तन की सफलता में समिति के सभी सदस्यों, श्रद्धालुओं और ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग रहा।

नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह-चांडिल में हूल दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया

जमशेदपुर (बिभा): नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह-चांडिल में हूल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे ने महान स्वतंत्रता सेनानी सिद्धो-कान्हू, चाँद एवं भैरव मुर्मू के अद्वितीय बलिदान एवं संघर्ष को स्मरण करते हुए उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. पांडे ने कहा कि 30 जून 1855 को सिद्धो-कान्हू के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ हूल आंदोलन अंग्रेजी शासन, जमींदारी प्रथा एवं महाजनी शोषण के विरुद्ध आदिवासी समाज का ऐतिहासिक जनविद्रोह था। यह आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम की महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। सिद्धो-कान्हू, चाँद एवं भैरव ने अपने प्राणों का बलिदान देकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा स्वाभिमान के लिए संघर्ष का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि हूल दिवस हमें अपने इतिहास, संस्कृति और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करता है। युवाओं को उनके आदर्शों को अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समरसता के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने महान वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे एडवोकेट निखिल कुमार प्राचार्य जयदीप पांडे शांति राम महतो प्रकाश महतो, देवाशीष मंडल, शुभम साहू, शशि भूषण महतो, पवन महतो,कृष्णा पद महतो, गौरव महतो, एवं भारी संख्या में यलोग मौजद रहे।

अधूरे जलापूर्ति कार्य से बढ़ी लोगों की परेशानी, पंचायत समिति सदस्य ने बीडीओ को सौंपा मांग पत्र

जमशेदपुर(बिभा): बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत अंतर्गत कुंवर सिंह मैदान स्थित रोड नंबर-3 में लगभग 50 घरों में विगत कई वर्षों से पेयजल आपूर्ति बाधित रहने के बाद डीएमएफटी फंड से लगभग चार लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन निर्माण कार्य शुरू किया गया था। लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद कार्य अधूरा रहने से स्थानीय लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। इस संबंध में पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने सोमवार को जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय पहुंचकर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमित प्रकाश को मांग पत्र सौंपते हुए शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कराने एवं नियमित जलापूर्ति बहाल करने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने पीएचईडी विभाग के कनीय अभियंता से मिलकर भी वस्तुस्थिति से अवगत कराया। पंसस सुनील गुप्ता ने बताया कि अधूरे निर्माण कार्य के कारण कई घरों में पिछले कई दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप है। वहीं जेसीबी से खुदाई कर डीबी रोड चौक के मुख्य मार्ग पर मिट्टी छोड़ देने से आवागमन प्रभावित हो रहा है और कभी भी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि संवेदक द्वारा सुरक्षा मानकों (सेफ्टी नियमों) का पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे आम लोगों की सुरक्षा खतरे में है। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमित प्रकाश ने संबंधित विभाग के कनीय अभियंता को अविलंब निर्माण कार्य पूरा कर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं कनीय अभियंता ने भी संवेदक को शीघ्र कार्य पूर्ण कर प्रभावित क्षेत्र में नियमित पानी की आपूर्ति बहाल कराने का आश्वासन दिया।

हूल दिवस पर गांव-गांव पहुंचे विधायक संजीव सरदार, दर्जनों कार्यक्रम में शामिल हो कर शहीदों को किया नमन

हूल दिवस हमें अपने अधिकारों, स्वाभिमान और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है: विधायक

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: अमर वीर शहीद हूल दिवस के अवसर पर पोटका विधायक संजीव सरदार ने सोमवार को जमशेदपुर एवं पोटका प्रखंड के विभिन्न गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर हूल क्रांति के महानायक सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव, वीरांगना फूलो-झानो सहित सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने हूल जोहार अर्पित करते हुए कहा कि 30 जून 1855 को भोगनाडीह से उठी हूल क्रांति की हुंकार ने शोषण और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का नया इतिहास रचा। हमारे वीर पुरखों ने जल, जंगल, जमीन, भाषा, संस्कृति और अस्मिता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, लेकिन अन्यायपूर्ण सत्ता के सामने कभी झुके नहीं। उन्होंने कहा कि हूल दिवस हमें अपने अधिकारों, स्वाभिमान और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है।

जमशेदपुर प्रखंड के किनुडीह गांव तथा रानीडीह ग्राम (कोकेटोला पंचायत भवन परिसर) में आयोजित हूल दिवस कार्यक्रम में विधायक संजीव सरदार शामिल हुए। उन्होंने अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि हूल क्रांति केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के स्वाभिमान, अधिकार और अस्मिता की रक्षा का ऐतिहासिक अभियान था। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पोटका प्रखंड में विधायक ने धोलाडीह एवं ग्वालकाटा पंचायत के बांसला गांव में आयोजित हूल दिवस कार्यक्रमों में शामिल होकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद छोटा तालसा में सिदो-कान्हू सोपोहोड़ सावता क्लब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और यह किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। वहीं हरिणा पंचायत के बुनूडीह फुटबॉल मैदान में एस.के.यू.जी. क्लब द्वारा आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं तथा समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीण, खिलाड़ी, क्लब के सदस्य एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दोपहर एक बजे ही छा गया अंधेरा, झमाझम बारिश से गर्मी से मिली राहत

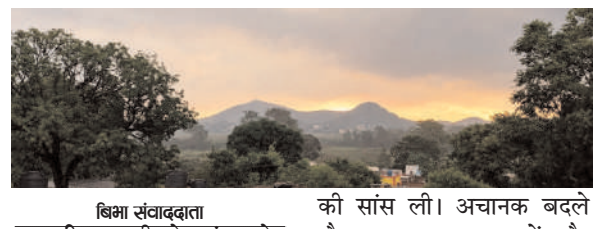

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र में मंगलवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। दोपहर करीब एक बजे घने काले बादलों ने पूरे आसमान को अपनी आगोश में ले लिया, जिससे दिन में ही अंधेरे जैसा माहौल बन गया। इसके कुछ ही देर बाद तेज हवा के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई।बारिश के कारण क्षेत्र के तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली। बारिश के बाद मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया और लोगों ने राहत की सांस ली। अचानक बदले मौसम का असर बाजारों और सड़कों पर भी देखने को मिला। बारिश शुरू होते ही लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए, जबकि कई लोगों ने बारिश का आनंद भी लिया।बारिश से किसानों ने भी राहत महसूस की। उनका कहना है कि समय पर हुई वर्षा से खरीफ फसलों की बुवाई और खेतों की तैयारी में मदद मिलेगी। हालांकि, कुछ निचले इलाकों में थोड़ी देर के लिए जलभराव की स्थिति भी बनी, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ।

डबल डाउन बार हत्याकांड की जांच में पहुंचे जोनल आईजी मनोज कौशिक, घटनास्थल का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर में डबल डाउन बार के बाहर करणी सेना के युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष हिमांशु सिंह की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मंगलवार को जोनल आईजी मनोज कौशिक शहर पहुंचे और पूरे मामले की गंभीरता से समीक्षा की। उन्होंने एएसपी के साथ बैठक कर अब तक की जांच की जानकारी ली और अधिकारियों से घटना से जुड़े हर पहलू पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। बैठक के बाद जोनल आईजी मनोज कौशिक ने घटनास्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से पूछा कि घटना के समय सुरक्षा व्यवस्था कैसी थी और किस स्तर पर चूक हुई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ कहा कि मामले में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जांच को तेज और निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

इधर, घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस की कार्यशैली को लेकर लोगों में नाराजगी है और परिजन लगातार न्याय की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस की मौजूदगी में ही हिमांशु सिंह पर हमला किया गया था, जिसके बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

प्रशासन ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए डबल डाउन बार को सील कर दिया है। वहीं, पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है और आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। परिजनों ने दोषियों की गिरफ्तारी तक पोस्टमार्टम कराने से इनकार किया है।

कराँजी मेला मैदान में मोहर्रम का जुलूस एवं मेला शांतिपूर्ण संपन्न, भाईचारे का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड क्षेत्र के कराँजी मेला मैदान में मंगलवार को मोहर्रम के अवसर पर निकला जुलूस एवं पारंपरिक मेला शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कराँजी एवं जराटोली गांव से कुल पांच अखाड़ों का जुलूस निकला, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में या अली, या हुसैन के नारों की गूंज सुनाई दी। विभिन्न अखाड़ों के खिलाड़ियों ने लाठी, तलवार, भाला सहित पारंपरिक युद्धकला का आकर्षक प्रदर्शन कर लोगों का मन मोह लिया।

मेले में आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने झूले, विभिन्न दुकानों तथा खान-पान का आनंद लिया। पूरे आयोजन के दौरान सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे और शांति का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथियों एवं गणमान्य लोगों का आयोजन समिति की ओर से पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि मोहर्रम हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करने का पर्व है। उनकी कुर्बानी सत्य, इंसाफ और मानवता की रक्षा के लिए थी, जिससे आज भी समाज को प्रेरणा मिलती है। बेड़ो डीएसपी दीपक सिंह ने कहा कि सभी अखाड़ा कमेटियों, स्वयंसेवकों और क्षेत्रवासियों के सहयोग से जुलूस एवं मेला पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने लोगों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

उप प्रमुख मुदस्सिर हक ने कहा कि मोहर्रम आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश देता है। सभी समुदायों के लोगों का सहयोग इस आयोजन की सबसे बड़ी ताकत है।

थाना प्रभारी कफिल अहमद ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा, जिसके कारण कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सीसीएल एनके एरिया में सम्मान समारोह, 14 कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

बिभा संवाददाता

खलारी। सीसीएल के एनके एरिया में मंगलवार को सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। डकरा स्थित वीआईपी सभाकक्ष में हुए समारोह में एरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता सहित विभिन्न परियोजनाओं और विभागों के कुल 14 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस दौरान सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को पौधा, श्रीफल, अंगवस्त्र, सेवा प्रमाण-पत्र और स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके योगदान को सम्मानित किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए निवर्तमान महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता ने अपने 35 वर्षों के सेवा अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक किसी संस्था से जुड़े रहने के बाद उससे विदा लेना भावुक क्षण होता है। उन्होंने कहा कि कार्यकाल के दौरान उन्होंने हमेशा ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का प्रयास किया। साथ ही सभी सेवानिवृत्त साथियों से आग्रह किया कि वे नई पारी की शुरूआत उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ करें तथा स्वस्थ जीवन जीते हुए अपने अनुभवों का लाभ समाज और परिवार को दें।नवनियुक्त महाप्रबंधक अमिताभ कुमार तिवारी ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी कर्मचारी की वर्षों की मेहनत और समर्पण का सम्मान करने का अवसर होता है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सुखद, स्वस्थ और सम्मानपूर्ण जीवन की कामना करते हुए कहा कि अब उन्हें परिवार और सामाजिक दायित्वों के लिए अधिक समय मिलेगा।कार्यक्रम का संचालन एचआर अधिकारी रानी चौबे ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शशि प्रभा हंसदा ने दिया। समारोह में एनके एरिया के अधिकारी, कर्मचारी, विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन मौजूद रहे।

डुमरी में भाजपा ने मनाया हूल दिवस, सिदो-कान्हू को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

बेड़ो: भारतीय जनता पार्टी, बेड़ो मंडल की ओर से मंगलवार को प्रखंड के डुमरी गांव में हूल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके संघर्ष और बलिदान को याद किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर एवं भाजपा बेड़ो मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं सिदो-कान्हू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर डुमरी गांव के ग्राम प्रधान मंगरू मुंडा एवं पाहन जगत मुंडा ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा अध्यक्ष बिरसा उरांव ने की।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि सिदो-कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध हूल क्रांति का नेतृत्व कर आदिवासी समाज को संगठित किया और देश की आजादी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके संघर्ष, साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति से आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेकर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया तथा अमर शहीद सिदो-कान्हू के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पूरी तरह पारदर्शी और सहभागी प्रक्रिया : के. रवि कुमार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरी तरह सहभागी, पारदर्शी और विधिसम्मत प्रक्रिया है। इसके प्रत्येक चरण का अंकेक्षण किया जाता है तथा किसी भी स्तर पर आपत्ति या त्रुटि की स्थिति में अपील का भी प्रावधान है।

रांची स्थित निर्वाचन सदन में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण चरण ह्यइन्यूमरेशन फेजह्ण के शुभारंभ की जानकारी देते हुए के. रवि कुमार ने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने बताया कि राज्यभर में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट) की बैठकें आयोजित की गई हैं। साथ ही सभी मतदान केंद्रों के लिए बीएलओ को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं।

के. रवि कुमार ने बताया कि इन्यूमरेशन फेज के शुभारंभ के अवसर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया। दो दिवसीय सोशल मीडिया अभियान के पहले दिन मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के माध्यम से राज्यभर में मतदाताओं और भावी मतदाताओं को एसआईआर से संबंधित पोस्टर एवं वीडियो दिखाकर जानकारी दी गई। दूसरे दिन सभी जिलों के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल, मीडिया संस्थानों और डिजिटल क्रिएटर्स ने 'हैशटैग झारखंड एसआइआर' (#खँ१ "ल्लरिक्र) के माध्यम से इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया, जिसे सोशल मीडिया पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरा हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। मतदाताओं को उसमें आवश्यक विवरण सत्यापित कर शेष जानकारी भरकर संबंधित बीएलओ को जमा करनी होगी। उन्होंने कहा कि जो मतदाता राज्य से बाहर रह रहे हैं, वे ऑनलाइन माध्यम से अपने बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म जमा कर सकते हैं। यदि कोई मतदाता घर पर उपलब्ध नहीं है, तो उसके पात्र परिजन भी उसकी ओर से फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं।

के. रवि कुमार ने आगे बताया कि मतदाताओं के विवरण का सत्यापन दो स्तरों पर किया जाएगा। पहले चरण में बीएलओ सुपरवाइजर और दूसरे चरण में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) अथवा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) इसकी जांच करेंगे, ताकि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और शुद्धता बनी रहे।

हूल दिवस के अवसर पर सिदो-कान्हू उद्यान परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल होकर रक्तदाताओं के बीच प्रशस्ति-पत्र वितरण करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन।

देश की पहली संगठित जनक्रांति थी संथाल हूल : केशव महतो

बिभा संवाददाता

रांची। हूल दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से सर्वप्रथम कंग्रेस भवन, रांची में पूर्वा 11 बजे सिद्धू-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण किया गया, इसके उपरांत मोराबादी स्थित सिद्धू-कान्हू पार्क में अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 30 जून 1855 भारतीय इतिहास का वह गौरवशाली दिन है, जब संथाल परगना के भगनाडीह से सिदो-कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत, महाजनी शोषण और जमींदारी अत्याचार के विरुद्ध ष्संथाल हूलष का शंखनाद किया। यह केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि भारत की स्वतंत्रता के लिए संगठित जनआंदोलन की पहली बड़ी क्रांति थी, जिसने अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी।

उन्होंने कहा कि इतिहासकारों के अनुसार इस महान आंदोलन में सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो और झानो सहित हजारों आदिवासी वीरों ने मातृभूमि और अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। संथाल हूल में दसियों हजार आदिवासी अंग्रेजी शासन के विरुद्ध एकजुट होकर खड़े हुए और हजारों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी। इस संघर्ष ने अंग्रेजों को आदिवासी क्षेत्रों की प्रशासनिक व्यवस्था पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया और आगे चलकर संथाल परगना को अलग प्रशासनिक इकाई के रूप में विकसित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। केशव महतो कमलेश ने कहा कि संथाल हूल ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा और नई चेतना दी। वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से भी पहले हुए इस महान जनविद्रोह ने यह संदेश दिया कि भारत की जनता किसी भी कीमत पर गुलामी स्वीकार नहीं करेगी। आज का दिन उन सभी अमर शहीदों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को स्मरण करने का दिन है, जिनके संघर्ष की बदौलत देश में स्वतंत्रता की चेतना का विस्तार हुआ।

उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती सदैव वीरों और क्रांतिकारियों की धरती रही है। सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को अन्याय, शोषण और दमन के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता रहेगा। कांग्रेस पार्टी उनके सपनों के अनुरूप सामाजिक न्याय, आदिवासी अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

डीएवी कपिलदेव में मनाया गया 'विश्व सोशल मीडिया दिवस' छात्रों ने ली सुरक्षा की शपथ

रांची (बिभा): कडरू स्थित डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल में मंगलवार को 'विश्व सोशल मीडिया दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा दसवीं की छात्रा खुशी और कक्षा आठवीं के छात्र अभिनव ने सोशल मीडिया के उपयोग और इसके बढ़ते खतरों पर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम में मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित प्राचार्य सह क्षेत्रीय अधिकारी (एआरओ) झारखंड जोन-डी, डॉ. एस. के. शर्मा ने छात्रों को जागरूक किया। उन्होंने सोशल मीडिया के विभिन्न सकारात्मक उपयोगों की जानकारी दी और इसे पूरी सावधानी व सतर्कता के साथ इस्तेमाल करने के टिप्स साझा किए। डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस तकनीक का उपयोग केवल समाज और मानव कल्याण के हित में करें।इसके बाद सभी छात्रों ने सोशल मीडिया का उपयोग पूरी सुरक्षा और जिम्मेदारी के साथ करने का संकल्प लिया। इस मौके पर वरिष्ठ शिक्षक श्री एस. के. राणा, पी. सरंगी सहित कई अन्य शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, गृहमंत्री ने भी हूल क्रांति के महानायकों को दी श्रद्धांजलि

रांची(बिभा) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी हूल दिवस पर हूल क्रांति के महानायकों को श्रद्धासुमन अर्पित किया है। उक्त सभी नेताओं ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर जनजातीय समाज के महानायकों के जज्बे को नमन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा है कि हूल दिवस मातृभूमि के लिए मर-मिटने वाले हमारे आदिवासी समाज के अद्भुत जज्बे का सशक्त प्रतीक है। भारतीय इतिहास के इस गौरवशाली अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो जैसे उन सभी वीर-वीरांगनाओं को मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि, जिन्होंने विदेशी शासन के अन्याय का डटकर मुकाबला किया। जनजातीय गरिमा और मान-सम्मान की रक्षा के लिए उनके संघर्ष और बलिदान की कहानी देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार करती रहेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भारत के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू, चाँद और भैरव मुर्मू सहित सभी वीर क्रांतिकारियों को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि संथाल क्रांति ने अन्याय, शोषण और अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध स्वाभिमान, साहस तथा जनप्रतिरोध की ऐसी चेतना जगाई, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा प्रदान की। इन अमर सेनानियों का अद्वितीय बलिदान हमारी जनजातीय गौरवशाली परंपरा और राष्ट्रभक्ति के प्रति अटूट संकल्प का प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने जनजातीय अस्मिता और मातृभूमि के लिए संथाल क्रांति में अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले सभी बलिदानियों को 'हूल दिवस' के अवसर पर स्मरण कर नमन करते हुए कहा है कि जनजातीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू मुर्मु, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा शंखनाद किया, जिसने पराधीनता के विरुद्ध जन-जन में प्रतिरोध की चेतना का संचार किया।

सदर अस्पताल में 41 स्वैच्छिक रक्तदाता हुए सम्मानित

रांची(बिभा)। सदर अस्पताल, रांची में पिछले एक वर्ष के दौरान दो या उससे अधिक बार रक्तदान या एसडीपी (सिंगल डोनर प्लेटलेट) दान करने वाले स्वैच्छिक रक्तदाताओं के सम्मान में मंगलवार को फेलिसिटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 41 नियमित रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया।सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ पुरुष 90 दिन और महिलाएं 120 दिन के अंतराल पर सुरक्षित रूप से रक्तदान कर सकती हैं। वहीं अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ विमलेश कुमार ने कहा कि समय-समय पर रक्तदान करने से आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ रंजू सिन्हा ने बताया कि 18 से 65 वर्ष आयु का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति, जिसका वजन कम से कम 45 किलोग्राम हो, रक्तदान कर सकता है। उन्होंने लोगों से नजदीकी सरकारी अस्पताल या मान्यता प्राप्त ब्लड बैंक में रक्तदान करने की अपील की। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, उपाधीक्षक डॉ विमलेश कुमार, राज्य रक्त संक्रमण परिषद की सहायक निदेशक जूली नीता सोके, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ रंजू सिन्हा, डीआरसीएचओ डॉ असीम मांझी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी मौजूद थे।

हूल क्रांति ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी, सिदो-कान्हू का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर : आदित्य

बिभा संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी, रांची महानगर जिला द्वारा हूल क्रांति दिवस के अवसर पर हात्मा स्थित सिदोझ्रकान्हू पार्क में हूल क्रांति के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू, को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर भाजपा रांची महानगर के सैकड़ों कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों, पुष्पमालाओं एवं जय झारखंड एवं भारत माता की जय के जयघोष के साथ सिदो-कान्हू पार्क पहुंचे और अमर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा, रांची विधायक सीपी सिंह, हटिया विधायक नवीन जायसवाल भाजपा रांची महानगर के अध्यक्ष श्री वरुण साहू, जितेंद्र वर्मा सहित प्रदेश एवं जिला के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुष्पांजलि के उपरांत प्रदेश अध्यक्ष श्री आदित्य साहू ने कहा कि 1855 की हूल क्रांति भारत के स्वतंत्रता संग्राम का वह ऐतिहासिक अध्याय है जिसने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी। सिदोझ्रकान्हू, चाँदझ्रभैरव तथा फूलोझ्रझानो ने जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर राष्ट्रभक्ति की अमिट मिसाल स्थापित की। उनका संघर्ष आज भी हर भारतीय को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।

नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हूल आंदोलन केवल संथाल समाज का नहीं, बल्कि पूरे भारत के स्वाभिमान और स्वतंत्रता चेतना का प्रतीक है।इन अमर शहीदों ने विदेशी शासन के विरुद्ध संगठित प्रतिरोध की ऐसी मिसाल पेश की, जिसने आगे चलकर स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की। हमें उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड एक बार फिर से बुराई एवं अत्याचार के खिलाफ हूल की आवश्यकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सिदोझ्रकान्हू, चाँदझ्रभैरव एवं फूलोझ्रझानो का जीवन आदिवासी अस्मिता, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्र समर्पण का अद्वितीय प्रतीक है। हूल क्रांति ने भारत की आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी और यह संदेश दिया कि अन्याय और शोषण के विरुद्ध संगठित समाज सबसे बड़ी शक्ति होता है।

भाजपा रांची महानगर के अध्यक्ष श्री वरुण साहू ने कहा कि हूल दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्र, समाज और अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति कर्तव्यबोध का दिवस है। भाजपा महान स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकताओं ने अमर शहीदों के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता संदीप वर्मा, रवि मुंडा, जितेंद्र वर्मा, कृपाशंकर सिंह, राजू सिंह, नीरज चौधरी, संकेत तिवारी, राम लगन राम, विनय राज, पायल सोनी, कुंदन सिंह, दीपक शाह, नकुल तिर्की, प्रदीप लकड़ा, बबलू मुंडा, बल्कु उरांव सहित प्रदेश एवं जिला के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आज से पेट्रोल-डीजल आपूर्ति पर अस्थायी आदेश समाप्त, केंद्र सरकार ने वापस लिया विनियमन

बिभा संवाददाता

रांची। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने देश में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति को लेकर लागू अस्थायी विनियमन आदेश को वापस लेने का निर्णय लिया है। मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, 'मोटर स्पिरिट एवं हाई स्पीड डीजल (खुदरा बिक्री केंद्रों के माध्यम से आपूर्ति का अस्थायी विनियमन) आदेश, 2026' को 1 जुलाई 2026 से निरस्त कर दिया जाएगा।

मंत्रालय ने बताया कि देशभर में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता एवं आपूर्ति की व्यापक समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया है। वर्तमान में ईंधन की आपूर्ति सामान्य एवं संतोषजनक है, इसलिए अस्थायी नियंत्रण संबंधी प्रावधानों को जारी रखने की आवश्यकता नहीं रह गई है।

उल्लेखनीय है कि 12 जून 2026 को केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों–इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड –के खुदरा बिक्री केंद्रों के माध्यम से पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री और वितरण को विनियमित करने के लिए यह अस्थायी आदेश जारी किया था। इसका उद्देश्य देशभर में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता, उचित मूल्य पर आपूर्ति तथा न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना था।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निदेशक अरुण कुमार द्वारा हस्ताक्षरित नए आदेश के अनुसार, 1 जुलाई 2026 से पूर्व में जारी अस्थायी आदेश प्रभावहीन हो जाएगा। इसके बाद पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री एवं वितरण की व्यवस्था सामान्य रूप से संचालित होगी।

इस निर्णय से तेल विपणन कंपनियों, पेट्रोल पंप संचालकों तथा आम उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है।

सीसीएल में 110 सेवानिवृत्त कर्मियों को दी सम्मान पूर्वक विदाई

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, रांची में मंगलवार को एक भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जून, 2026 में मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले 06 कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इसके साथ ही, सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सेवानिवृत्त कर्मियों को भी उनके-अपने क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से ससम्मान विदा किया गया। इस प्रकार, आज सीसीएल मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों से सेवानिवृत्त हुए कुल 110 कर्मियों को गरिमापूर्ण विदाई दी गई।

समारोह के दौरान सीसीएल मुख्यालय में एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव, भावनाएँ एवं स्मृतियाँ साझा कीं।

मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के नाम इस प्रकार हैं- अतनु चौधरी, मुख्य प्रबंधक(मानव संसाधन), पी & आईआर विभाग; विनोद एमेल सुरीन, कार्यालय अधीक्षक, पी & आईआर विभाग; बिरसा उरांव, सुरक्षा उप-निरीक्षक, जेएसएसपीएस; पंकज कुमार, कार्यालय अधीक्षक-अ1, उत्पादन विभाग; लैजरस खलखो, कार्यालय अधीक्षक, सीएमपीएफ विभाग; एवं श्रीमती अनिता निर्मला तिर्की, मैट्रन , गांधीनगर अस्पताल।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित रहे।

इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने सेवाकाल के दौरान आपने अपनी लगन, निष्ठा और कार्यकुशलता से कंपनी को मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई है। आपके अनुभव, अनुशासन और समर्पण ने संगठन की कार्यसंस्कृति को समृद्ध किया है। आपकी सेवाएं सदैव प्रेरणादायी रहेंगी और आपका योगदान कंपनी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने सभी के स्वस्थ, सुखद एवं सफल भविष्य की कामना की।

समारोह में विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

रांची के विकास के लिए महापौर ने केंद्र सरकार से मांगा सहयोग

रांची : रांची की महापौर रोशनी खलखो एवं उपमहापौर नीरज कुमार ने नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राँची के समग्र एवं सुनियोजित विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा पर्यावरण-अनुकूल आधारभूत संरचना के विकास के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। महापौर ने राँची की बढ़ती जनसंख्या और शहरी आवश्यकताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि शहर में बेहतर सड़क, जल निकासी, स्वच्छता, हरित क्षेत्रों के विकास तथा अन्य नागरिक सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के लिए केंद्र सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से राँची को एक स्वच्छ, आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल शहर के रूप में विकसित किया जा सकता है।

भाजपा ने राजधानी रांची समेत राज्य के 595 मंडलों में मनाया 'हुल दिवस', अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची। हूल दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत झारखंड के ऐतिहासिक हूल क्रांति स्थल भोगनाडीह, राजधानी रांची के मोराबादी स्थित सिदो-कान्हू पार्क, प्रदेश कार्यालय सहित राज्य के सभी 595 मंडलों में हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमाओं एवं चित्रों पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान को नमन किया।

रांची के मोराबादी स्थित सिदो-कान्हू पार्क में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने महानायकों की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर जनजातीय अस्मिता, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया। वहीं, प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने हूल क्रांति के नायकों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा भोगनाडीह सहित राज्य के सभी मंडलों में भी भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हूल क्रांति के शहीदों को स्मरण किया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि हूल दिवस जनजातीय समाज के संघर्ष, स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 30 जून 1855 को भोगनाडीह की धरती से सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के नेतृत्व में हजारों संथालों ने ब्रिटिश शासन, शोषण और अन्याय के विरुद्ध हूल क्रांति का शंखनाद किया था। यह आंदोलन केवल अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा का व्यापक जनआंदोलन था, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा प्रदान की।

आदित्य साहू ने कहा कि हूल क्रांति के महानायकों का शौर्य, त्याग और बलिदान सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी ने स्वतंत्रता आंदोलन के उपेक्षित नायकों को उचित सम्मान दिलाने का कार्य किया है, जबकि विपक्षी दलों ने उनके योगदान की उपेक्षा की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के समय प्रधान, मानकी और मुंडा जैसी पारंपरिक जनजातीय व्यवस्थाओं को जो अधिकार और सुविधाएं मिली थीं, वर्तमान राज्य सरकार उन्हें कमजोर करने का प्रयास कर रही है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल–32–26, दिनांक 26.06.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस है एवं निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** आसनसोल मंडल: प्राइमरी और सेकंडरी मेंटेनेंस के दौरान एलएचबी कोचों के परीक्षण के लिए नए कोचिंग कॉम्प्लेक्स, आसनसोल में 2000 केवीए सीएसएस के माध्यम से एचओजी कोचों के रखरखाव के लिए 750 वो. पावर सप्लाई के प्रावधान के साथ अन्य विद्युत सहायक कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 5,22,71,981.52, **बयाना राशि:** रु. 10,45,400/–, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 21.07.2026 को 11.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है।

ASN-156/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

चन्द्रपुरा में अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार, भारी मात्रा में शराब बरामद

बिभा संवाददाता

बोकारो: पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर चन्द्रपुरा थाना क्षेत्र में चल रहे अवैध विदेशी शराब निर्माण और कारोबार का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बेरमो के नेतृत्व में गठित विशेष छापामारी दल एवं उत्पाद विभाग की संयुक्त कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब और निर्माण सामग्री जब्त की गई।

पुलिस ने सबसे पहले चन्द्रपुरा थाना क्षेत्र के तेलो पूर्वी बहियारटांड़ स्थित कामेश्वर कुमार के घर पर छापेमारी की। यहां से अवैध रूप से निर्मित विदेशी शराब तथा शराब बनाने में प्रयुक्त सामग्री बरामद हुई। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने उसके सहयोगियों विनय कुमार, दिनेश प्रजापति और कृष्णा कुमार के ठिकानों पर भी छापेमारी कर बड़ी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की। इस मामले में चन्द्रपुरा थाना कांड संख्या 75/2026, दिनांक 30 जून 2026 दर्ज किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं तथा उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए) के तहत कार्रवाई की गई है। छापेमारी के दौरान 15 पेटी ब्लैक टाइगर व्हिस्की, 12 पेटी अधिकारियों की पसंद व्हिस्की, तीन-तीन पेटी मैकडॉवेल नंबर-1 और रॉयल चैलेंजर व्हिस्की, चार पेटी स्टर्लिंग रिजर्व बी-7, बड़ी संख्या में नकली ढक्कन, शराब के रैपर एवं स्टीकर तथा पांच मोबाइल फोन जब्त किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों में कामेश्वर कुमार (33), विनय कुमार (32), दिनेश प्रजापति (41) और कृष्णा कुमार (19) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी कामेश्वर कुमार के विरुद्ध पूर्व से भी अवैध शराब कारोबार सहित विभिन्न मामलों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई में चन्द्रपुरा थाना प्रभारी विक्रम कुमार, दुग्दा थाना प्रभारी मनीष कुमार, बोकारो झरिया ओपी प्रभारी श्रीनिवास सिंह, उत्पाद विभाग के महेश कुमार दास, कुंदन कुमार पासवान सहित चन्द्रपुरा, दुग्दा एवं बोकारो झरिया ओपी के पुलिस बल और उत्पाद विभाग की टीम शामिल रही।

कंडेर पंचायत में 171वां हूल दिवस धूमधाम से मनाया गया, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

बोकारो। कंडेर पंचायत में मंगलवार को 171वाँ हूल दिवस धूमधाम से मनाया गया। समारोह में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और वीर सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। चारों ओर हूल जोहार के नारों से वातावरण गूंज उठा और शहीदों को याद कर श्रद्धा भाव स्पष्ट दिखाई दिया।

मुख्य अतिथि, मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अपने संबोधन में हूल आंदोलन को सिर्फ इतिहास नहीं बल्कि आदिवासी समाज के स्वाभिमान, संघर्ष और अधिकारों की अमर गाथा बताया। उन्होंने कहा कि शहीदों के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं और युवा पीढ़ी को उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मंत्री ने युवाओं से नसीहत दी कि वे सामाजिक न्याय और समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास करें।

समारोह में पूर्व मुखिया पति दिनेश मुर्मू, उपमुखिया महालाल सोरेन, समाजसेवी रतन लाल टुडू के साथ कंडेर पंचायत के प्रतिनिधि जितेंद्र मरांडी, जेएमएम अध्यक्ष रामू बास्के, दीपचंद टुडू, सुनील मरांडी, सिकंदर मरांडी, बरनवास, साहबराम मुर्मू, बाबूलाल मरांडी और चितरंजन बेसरा समेत कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो थर्मल में समय रहते सीआईएसएफ ने बुझाई आग, बड़ा हादसा टला

बेरमो (बोकारो)(बिभा)। सोमवार को बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन पर कोयला लदित एक मालगाड़ी की बोगी में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा टल गया। अचानक उठे धुएं को देखकर घटनास्थल पर तैनात डीवीसी पावर प्लांट की सीआईएसएफ फायर टीम ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई कर अग्नि पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, कोयला से भरी मालगाड़ी डुमरी विहार स्टेशन से जमशेदपुर के लिए रवाना हुई थी। मार्ग में ट्रेन के इंजन के ठीक पीछे वाली बोगी से अचानक तेज धुएं का गुबार उठता देखा गया। खतरे का अंदेशा होते ही घटना की सूचना गोमिया स्टेशन मास्टर को दी गई। गोमिया स्टेशन पर कोई ट्रैक खाली न होने पर मालगाड़ी को तुरंत बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन की ओर मोड़ा गया। बोकारो थर्मल के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंचते ही पहले से अलर्ट सीआईएसएफ फायर टीम को घटना की जानकारी दी गई। सीआईएसएफ ने दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंचकर बिना समय गंवाए मोर्चा संभाला और बोगी में लगी आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस तत्परता के कारण कोयले की खेप और रेलवे संपत्ति को बड़े नुकसान से बचाया जा सका। रेस्क्यू व कंट्रोल ऑपरेशन के दौरान बोकारो थर्मल के स्टेशन मैनेजर शैलेश कुमार के साथ सीआईएसएफ फायर टीम के निरीक्षक ए के शर्मा, ए के सरकार, पलास दत्ता, धर्मेंद्र सिंह, सीआर मीणा, एस ए सुथार और शरद सहित कई अधिकारी व जवान मौके पर मौजूद रहे और कार्रवाई में भाग लिया। प्राथमिक जांच में आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रेलवे व सीआईएसएफ अधिकारी आगे की जांच कर रहे हैं और संबंधित सुरक्षा प्रोटोकॉल का आकलन करेंगे।

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन

बोकारो(बिभा)। सेक्टर 4 स्थित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को इंटर हाउस हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों - भारती सदन, वाचस्पति सदन, विद्यापति सदन एवं बिरसा सदन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। काँटे के मुकाबले में भारती सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वाचस्पति सदन एवं विद्यापति सदन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि बिरसा सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कार्यक्रम को सफल बनाया। हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, इतिहास, कला, परंपरा एवं विरासत के सभी क्षेत्रों में ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित करना है। प्रश्न भारतीय धरोहर, स्मारकों, प्रसिद्ध व्यक्तित्वों, त्योहारों एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित थे। इस अवसर पर प्राचार्य अमर प्रसाद एवं उप-प्राचार्य देव दुलाल मित्रा ने संयुक्त रूप से सभी बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ बच्चों की तर्कशक्ति, स्मरणशक्ति और टीम भावना को बढ़ाती हैं। उन्होंने सभी विजेता एवं प्रतिभागी सदनों को बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मंच संचालन कक्षा 10 के विद्यार्थी स्मृति कुमारी एवं रुद्रांश ने सफलतापूर्वक किया।

मुकेश अग्रवाल अध्यक्ष तो विनोद चोपड़ा बने चास रोटरी के सचिव

बोकारो(बिभा)। रोटरी क्लब ऑफ चाज के आगामी सत्र (26-27) के लिए मुकेश अग्रवाल को अध्यक्ष तथा विनोद चोपड़ा को सचिव पद के लिए मनोनीत किया गया है। वहीं नरेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। 1 जुलाई 2026 से नए पदाधिकारी कार्यभार संभालेंगे।क्लब के सदस्यों ने पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में क्लब सामाजिक सेवा एवं जनहित के कार्यों को नई दिशा मिलेगी। नवनियुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देगा। वहीं सचिव विनोद चोपड़ा ने सभी सदस्यों के सहयोग से क्लब की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने की बात कही। क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आगामी सत्र के सफल संचालन की शुभकामनाएं दीं।

बिजली के लटके तार के संपर्क में आने से युवक झुलसा, परिजन ने सड़क जाम कर किया हंगामा

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। बोकारो के चास थाना क्षेत्र के चास में मंगलवार की सुबह बिजली के लटके तार के संपर्क में आने से एक 28 वर्षीय युवक गंभीर रूप से झुलस गया। घायल युवक विशाल कुमार (28) को मौके से तत्काल के0 एम0 मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

बताया जाता है कि चास के मुख्य सड़क पर दास मोहल्ला गली की ओर जाने वाली सड़क के माध्यम से गुजरते समय एक नंगा बिजली का तार लटक रहा था। स्थानीय निवासी और परिजनों का आरोप है कि यह तार लगभग 11 हजार वोल्ट की लाइन के संपर्क में था और बारिश के चलते सड़क पर बह रहे पानी के कारण माहौल और खतरनाक हो गया। उसी दौरान विशाल बाहर कुछ सामान लेने निकला और लटके तार की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार युवक झुलसते हुए तड़पने लगा और उसके नाक-मुंह से खून भी निकलने लगा।

स्थानीय दुकानदारों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचित किया और विभाग ने लाइन काटने के बाद युवक को तार से छुड़ाया। घायल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे पास के के0 एम0 मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग जागे और दुकानदार पर आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। परिजनों का कहना था कि झूलता हुआ तार उस दुकानदार की दुकान से जुड़ा हुआ है और उन्हें कई बार कहा गया था कि तार हटाया जाए, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। गुस्साए परिजन ने घायल युवक के इलाज के साथ-साथ दुकानदार की गिरफ्तारी और बिजली विभाग की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले के पुनरावृत्ति को रोकने के लिए परिजन और लोग सड़क पर उतर कर जाम भी कर दिया।

घटना स्थल पर चास थाना पुलिस तथा स्थानीय अधिकारियों की टीम पहुंची और मौके पर मौजूद लोगों को न्याय दिलाने के आश्वासन के साथ समझा-बुझा कर जाम हटवाया गया। दुकानदार ने आरोपों से इनकार किया और बताया कि यह तार उसकी दुकान का नहीं था, वह भी घटना के समय मौजूद था और लोगों के साथ मिलकर युवक को छुड़ाने का प्रयास किया। परिजन दुकानदार पर शक व्यक्त करते हुए मौके पर मौजूद सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग कर रहे थे।

चास थाना पुलिस ने बताया कि प्राथमिक जांच में घायल युवक सीधे लगभग 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आया है। मामले की तह तक जाने के लिए पुलिस पड़ताल कर रही है और बिजली विभाग की भी लापरवाही सामने आने पर जवाब मांगा जाएगा। पुलिस ने कहा कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है और सदर अभियोगों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवा नेशनल जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संदीप पासवान को किया सम्मानित

बिभास वादद्दाता

बोकारो : मंगलवार को आयोजित युवा संवाद चौपाल यात्रा के समापन समारोह में युवा नेशनल जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय कुशवाहा, सांसद औरंगाबाद (बिहार) ने युवा नेशनल जनता दल, बोकारो के कार्यकर्ता संदीप पासवान को सम्मानित किया। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे बोकारो जिला युवा नेशनल जनता दल की समर्पित टीम की मेहनत और संघर्ष का प्रतीक माना जा रहा है।

समारोह के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन के स्थानीय कार्यकताओं, पदाधिकारियों और समर्पित साथियों की सराहना की। अपने संबोधन में संदीप पासवान ने कहा कि यह सम्मान उनके व्यक्तिगत प्रयासों का फल नहीं बल्कि संगठन के प्रत्येक सदस्य के अथक प्रयत्नों का पारितोषिक है। उन्होंने बोकारो जिला युवा नेशनल जनता दल के सभी साथियों का हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया तथा कहा कि उनका विश्वास, प्रेम और सहयोग उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। संदीप पासवान ने जन-जन तक नेता प्रतिपक्ष के विचारों को पहुँचाने तथा सामाजिक न्याय, समानता और युवाओं के अधिकारों के लिए चल रहे संघर्ष को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लेकर समापन समारोह में उपस्थित कार्यकताओं और पार्टी समर्थकों से एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया।

सिदो-कान्हू को नमन हूल के 171वें वर्ष पर आदिवासी सेंगेल ने उठाई सरना धर्म की मांग

बिभा संवाददाता

बोकारो। आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से चास प्रखंड के बरुआटांड़ में मंगलवार को सन्ताल विद्रोह के 171वें हूल दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महानायक वीर शहीद सिदो मुर्मू व कान्हू मुर्मू की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर सेंगेल शपथ ली।

कार्यक्रम के दौरान आदिवासी सेंगेल अभियान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के माध्यम से बोकारो जिला उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपते हुए आदिवासी समाज के हित में सात मांगें प्रस्तुत कीं। प्रमुख मांगों में सरना धर्म को स्वतंत्र धार्मिक मान्यता देने की प्रतिज्ञा, आदिवासी पवित्र स्थलों—गिरिडीह के मरांग बुरु (पारसनाथ पर्वत), बोकारो के लालपनिया स्थित लुगुबुरु तथा पश्चिम बंगाल के पुरुलिया स्थित अजोदिया बुरु—को अन्य धर्मों के अतिक्रमण से बचाने का आग्रह शामिल है।

ज्ञापन में संताली भाषा को झारखंड में प्रथम राजभाषा का दर्जा देने, आदिवासी पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था में सुधार कर संवैधानिक कानून व लोकतंत्र के अनुरूप व्यवस्था लागू करने, सामाजिक व धार्मिक आयोजनों में नशे (शराब) की जगह बेरेल दा (निर्मल जल) का प्रयोग करने तथा असम व अंडमान में रहने वाले झारखंडी आदिवासियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्रदान करने जैसी मांगें भी रखी गईं। साथ ही महान वीर शहीद सिदो मुर्मू व बिरसा मुंडा के वंशजों के नाम पर दो ट्रस्ट बनाने और प्रत्येक ट्रस्ट को 100-100 करोड़ रुपए की जमा पूंजी देने का भी अनुरोध किया गया है।

आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद सालखन मुर्मू के नेतृत्व में यह संगठन इन मुद्दों पर लगातार आंदोलन कर रहा है। संगठन ने कहा है कि आजाद भारत में आदिवासी समाज अब भी अपने कई मौलिक अधिकारों से वंचित है और इन अधिकारों की तत्काल सुधर की आवश्यकता है।

हूल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोकारो जिला अध्यक्ष व बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू, झारखंड प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन, झारखंड प्रदेश संयोजक व बोकारो जोनल परगना परगण्डा करमचंद हांसदा, सेंगेल युवा मोर्चा चास प्रखंड अध्यक्ष कालीचरण किस्कू के साथ-साथ उपेन्द्र हेम्बरम, कृष्णा किस्कू, फूलचंद किस्कू, संजूल मुर्मू, बुटान बेसरा, साहिल हेम्बरम, बलबीर किस्कू व अन्य कई लोग मौजूद रहे।

लोकसमिति के 49वें स्थापना दिवस पर युवाओं को सही मार्गदर्शन और झारखंड में शराबबंदी की उठी मांग

बिभा संवाददाता

बोकारो : नव भारत जागृति केंद्र में आज लोकसमिति का 49वां स्थापना दिवस बेहद उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक विशेष सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड, बिहार और ओडिशा के कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत लोकसमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरजा सतीश द्वारा झंडोत्तोलन और भारत रत्न जयप्रकाश नारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरजा सतीश ने देश की वर्तमान परिस्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज भारतीय युवाओं में असंतोष, बेरोजगारी, परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं और नशाखोरी तेजी से बढ़ रही है। सांप्रदायिक और जातिवादी भावनाओं के दुष्प्रभाव से युवाओं को बचाने के लिए उन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत है और लोकसमिति को इस दिशा में सक्रिय रूप से काम करना होगा।

इसके साथ ही उन्होंने आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का लाभ सभी बीमारियों के लिए सुलभ कराने और प्राइवेट स्कूलों की सीबीएसई या राज्य बोर्ड से संबद्धता की शर्तों को आसान बनाने की मांग की। गिरजा सतीश ने बिहार की तर्ज पर झारखंड में भी पूर्ण शराबबंदी कानून लागू करने की वकालत की। इस दौरान झारखंड प्रदेश संयोजक शंकर राणा ने संगठन की मजबूती के लिए सदस्यता अभियान चलाने, युवाओं को जोड़ने और उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां सौंपने का प्रस्ताव रखा। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री निवास ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने समाज में बढ़ते जातिवाद और धार्मिक आघात को आज की सबसे बड़ी चुनौती बताया। कार्यक्रम में लोकसमिति के कौशल गणेश आजाद, सदन सिंह, गौतम सागर, हसमत रब्बानी, पुतुल कुमारी, मथुरा सिंह, अंगूरा महतो, पुष्पा कुमारी, विनोद शर्मा, लालदेव चौधरी, राजीव रंजन, डॉ. किरण, मदन साव, कुंती बहन, मीणा देवी और वजीर अहमद सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जीजीपीएस बोकारो के छात्र अनुभव विश्वकर्मा ने राष्ट्रीय विज्ञान मंच पर बढ़ाया विद्यालय का मान

सराभाई यंगलिंग्स विज्ञान प्रशिक्षण शिविर में देश के शीर्ष 15 प्रतिभागियों में स्थान बनाकर अनुभव ने रचा नया कीर्तिमान

बिभा संवाददाता

बोकारो। शिक्षा, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट परंपरा के लिए पहचाने जाने वाले गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टरझ5/बी, बोकारो ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान को और मजबूत किया है। विद्यालय के कक्षा 12 (डी) के मेधावी छात्र अनुभव विश्वकर्मा ने विक्रम साराभाई विज्ञान प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सराभाई यंगलिंग्स विज्ञान प्रशिक्षण शिविर (सत्र 2025झ26) में श्रेणीझएक के अंतर्गत देश के शीर्ष 15 प्रतिभागियों में स्थान प्राप्त कर विद्यालय, बोकारो और झारखंड का गौरव बढ़ाया है।

25 से 27 जून 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी तीन दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान प्रशिक्षण शिविर में देशभर के चुनिंदा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस बौद्धिक एवं वैज्ञानिक आयोजन के दौरान प्रतिभागियों को देश के अग्रणी वैज्ञानिकों, शोधकताओं, नवप्रवर्तकों एवं शिक्षाविदों के साथ संवाद करने का अवसर मिला। साथ ही भारत मौसम विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया, जहाँ विद्यार्थियों ने मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा, वैज्ञानिक अनुसंधान, रॉकेट विज्ञान, सृजनात्मक चिंतन, नवाचार तथा उद्यमिता जैसे विषयों का व्यावहारिक एवं गहन ज्ञान अर्जित किया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में अनुभव विश्वकर्मा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा श्रेणीझएक में देश के शीर्ष 15 प्रतिभागियों में स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक कुमार ने अनुभव को बधाई देते हुए कहा, ₹अनुभव की यह उपलब्धि केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार आधारित शिक्षा का परिणाम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वह भविष्य में विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेंगे तथा अनेक विद्यार्थियों को ज्ञान, शोध, खोज और उत्कृष्टता के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे।

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू के संघर्ष को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

बिभा संवाददाता

बोकारो। आदिवासी-मूलवासी समाज सतनपुर की ओर से मंगलवार को हूल दिवस श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाया गया। सतनपुर पंचायत के बागरायबेड़ा टोला के समीप सराय पहाड़ी और पोंड टुंगरी के बीच स्थित सिदो-कान्हू चौक पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने अमर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत नायके जीवन हेम्ब्रम द्वारा पारंपरिक पूजा-अर्चना से हुई। कार्यक्रम का संचालन रामकुमार मांझी ने किया। मुख्य अतिथि एवं सतनपुर पंचायत के मुखिया काली पद सिंह ने कहा कि सिदो-कान्हू का संघर्ष झारखंड के स्वाभिमान, अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है। झामुमो चास प्रखंड अध्यक्ष राम दया सिंह ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के शोषण और दमन के विरुद्ध सिदो-कान्हू के नेतृत्व में शुरू हुआ संताल हूल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का ऐतिहासिक अध्याय है। समाजसेवी योगो पूर्ती ने कहा कि 30 जून झारखंड के इतिहास का गौरवशाली दिवस है। इसी दिन संताल वीरों ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका था, जिसे संताल हूल के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि इतिहासकार इसे भारत की आजादी की पहली लड़ाइयों में शामिल करते हैं। नई पीढ़ी को इस गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लेकर अपने इतिहास, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना चाहिए। सतनपुर पंचायत समिति सदस्य वासुदेव मांझी ने भी हूल आंदोलन के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे आदिवासी स्वाभिमान का सबसे बड़ा प्रतीक बताया।

रामगढ़ में जमीन विवाद में सब रजिस्ट्रार की निर्मम हत्या, लाठी-डंडे, ईंट-पत्थरों से किया गया था हमला

प्रकाश पटवारी

रामगढ़: रामगढ़ जिला के मांडू थाना/अंचल क्षेत्र के हुवाग पंचायत अंतर्गत सिमरिया टांड़ में मंगलवार को जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया. गिरिडीह में पदस्थापित रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल को कथित तौर पर 10-15 लोगों ने लाठी-डंडे, ईंट और पत्थरों से बेरहमी से पीटकर हत्या कर दी. गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें रांची रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना कि जानकारी के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई.

परिजनों के अनुसार, बालेश्वर पटेल ने करीब एक महीने पहले महेश प्रसाद और रामाशीष साव से 11 डिसमिल जमीन खरीदी थी. मंगलवार सुबह वह बोरिंग में समरसेबल लगाने सिमरिया टांड़ पहुंचे थे. इसी दौरान उक्त जमीन पर अपना दावा करने वाले ज्ञानी साव और उसके समर्थकों ने काम का विरोध किया. देखते ही देखते विवाद हिंसक रूप ले लिया.

बताया जाता है कि आरोपियों ने बालेश्वर पटेल पर लाठी-डंडों, ईंट और पत्थरों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. अकेले होने के कारण वह खुद का बचाव भी नहीं कर सके. गंभीर रूप से घायल बालेश्वर पटेल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया.

मृतक के परिजनों ने पमपम उर्फ संतोष, विष्णु कुमार, विनय, पूजा, डॉली कुमारी, शकुंतला देवी, रूबी कुमारी, रामू साव उर्फ ज्ञानी साव समेत कई लोगों को नामजद करते हुए आरोप लगाया है कि सभी ने मिलकर जानलेवा हमला किया. परिजनों का कहना है कि जब वे मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी.

मृतक के रिश्तेदार पंकज कुमार महतो ने बताया कि सूचना मिलते ही

वे घटनास्थल पहुंचे, लेकिन तब तक बालेश्वर पटेल गंभीर रूप से घायल हो चुके थे. उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. मांडू विधायक निर्मल कुमार महतो समेत कई जनप्रतिनिधि अस्पताल पहुंचे. विधायक निर्मल कुमार महतो ने कहा कि बालेश्वर पटेल सरकारी कर्मचारी थे और उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते थे. उन्होंने कहा कि दिनदहाड़े इस तरह की निर्मम हत्या कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है. सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए.

इस संबंध में मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची. प्रारंभिक जांच में पता चला कि जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था. घायल को इलाज के लिए रांची रोड स्थित एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान बालेश्वर पटेल के रूप में हुई है, जो गिरिडीह में रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत थे. मामले में परिजनों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है. घटना में शामिल कई आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है. घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है. पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और घटना में संलिप्त सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि जिले का मांडू अंचल अधिकारी व कर्मचारी द्वारा भी साधारण सा जमीन विवाद को उलझा कर विवादास्पद बना दिया जाता है। जिसके कारण सही खरीदारों कि जमीन फंसी रहते व अवेध ढंग से खरीदारों पर भय का माहौल बनाया जाता रहा है। अंचल कार्यालय इतना पावरफुल होता है कि उपायुक्त व अनुमंडल पदाधिकारी के निदेशों को भी फाईलों दबा दिया जाता है।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: 30 जून हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त हेमन्त सती, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त रिया सिंह, नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता, अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय ने पीडब्ल्यूडी चौक पर अवस्थित ऐतिहासिक वीरता और बलिदान के प्रतीक सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन भी उपस्थित रहे।उपायुक्त ने अपने संदेश में कहा कि सिदो-कान्हू ने 30 जून 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ हूल विद्रोह का नेतृत्व कर आदिवासी समाज में जागरूकता और स्वतंत्रता की अलख जगाई। यह आंदोलन अंग्रेजों के दमनकारी नीतियों के विरुद्ध तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम सामाजिक एकता, समरसता और स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखें और सिदो-कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें।

हूल दिवस को गरिमामय रूप से मनाते हुए जनमानस को देश की आजादी में आदिवासी समाज के योगदान से अवगत कराया गया।

एसपी ने किया ईचाक थाना का निरीक्षण लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

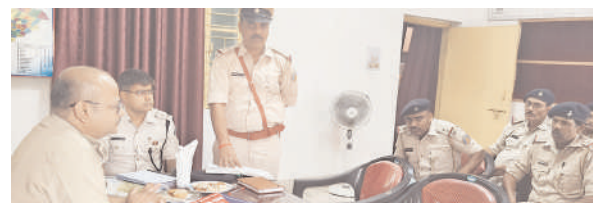

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने मंगलवार को ईचाक थाना का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना की विधि-व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया। इस अवसर पर मुख्यालय डीएसपी ज्ञान रंजन, दारू अंचल के पुलिस निरीक्षक विमल कुमार लकड़ा, ईचाक थाना प्रभारी गौतम कुमार सहित थाने के अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।निरीक्षण के क्रम में एसपी ने थाने के सभी सरकारी पंजियों का अवलोकन किया। उन्होंने लंबित कांडों, वारंट, कुर्की, चरित्र सत्यापन और पासपोर्ट से संबंधित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को इन मामलों का त्वरित और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया।एसपी ने क्षेत्र में फरार चल रहे सभी अभियुक्तों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। विशेष रूप से अवैध मादक पदार्थों से जुड़े लंबित कांडों में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने सख्त निर्देश जारी किए। नशा के विरुद्ध जागरूकता और जन-सहयोग पर दिया बल क्षेत्र में नशाखोरी पर लगाम लगाने के उद्देश्य से एसपी ने व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल ही अपराध नियंत्रण में सबसे प्रभावी साबित होता है।

संक्षिप्त खबरें

हूल दिवस पर अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

रामगढ़(बिभा): हुल दिवस के अवसर पर मंगलवार को समाहरणालय परिसर, रामगढ़ के ब्लॉक 'ए' में जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त श्री ऋतुराज एवं पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश कुमार लुनायत की उपस्थिति में हुल क्रांति के अमर वीर शहीद सिदो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, फूलो मुर्मू, झानो मुर्मू, चांद मुर्मू एवं भैरव मुर्मू की चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि हुल क्रांति भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है। सिद्धू-कान्हू सहित हुल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों ने जल, जंगल और जमीन तथा अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अंग्रेजी शासन के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका त्याग, साहस और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। जिला प्रशासन उनके योगदान को श्रद्धापूर्वक नमन करता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने हुल क्रांति के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समाहरणालय के वरीय पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हूल दिवस पर सांसद ने सिद्धू-कान्हू को किया नमन

हजारीबाग(बिभा) : मंगलवार को हूल दिवस के पावन अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल हूल दिवस के कई कार्यक्रमों में शामिलहुए। सबसे पहले उन्होंने कई गणमान्य लोगों और बड़ी संख्या में मौजूद आदिवासी समाज के लोगों के साथ हजारीबाग के पीडब्ल्यूडी कार्यालय के समीप स्थित सिद्धो-कान्हू मुर्मू चौक पर पहुंचकर हूल विद्रोह के महान नायक और वीर शहीद सिद्धू-कान्हू मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हमें देश की आजादी में झारखंड के असंख्य वीरों के बलिदान का सदैव आदर करना चाहिए। जिस प्रकार उन्होंने एक न्यायपूर्ण देश की कल्पना की थी, हमें उसी दिशा में निरंतर कार्य करते रहना है ताकि उनके सपनों को साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें अपने इतिहास, अपने नायकों और अपने मूल्यों को याद दिलाता है ।

बीएफसीएल में पीपुल फर्स्ट कल्चर के तहत 142 कर्मचारियों का मनाया गया सामूहिक जन्मदिन

रामगढ़(बिभा) : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड, रामगढ़ में जून माह में जन्मदिन मनाने वाले कुल 142 अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में पीपुल फर्स्ट कल्चर और वन सेलिब्रेशन मेनी स्माइलस थीम के तहत 27 और 29 जून को सामूहिक जन्मदिन समारोह का भव्य आयोजन किया। इस समारोह में जीएफए, एचएसपीए तथा हेड ऑफिस, रांची के कर्मचारी शामिल रहे। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर इस विशेष अवसर को उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर विभिन्न विभागाध्यक्ष की उपस्थिति ने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का आयोजन एचएएसपी कैंटीन जीएफए कैंटीन और मुख्य कार्यालय में किया गया, कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना, टीम भावना को सुदृढ़ करना तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। बीएफसीएल अपने प्रत्येक कर्मचारी को परिवार का हिस्सा मानता है और उनकी खुशियों को अपनी सफलता का अभिन्न अंग समझता है। प्रबंधन ने सभी जन्मदिन मनाने वाले कर्मचारियों को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

एसआईआर को लेकर चंदवा बीडीओ ने किया धोबी टोला बूथ का निरीक्षण

लातेहार/चंदवा(बिभा): मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत चंदवा प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) चंदन कुमार ने मंगलवार को धोबी टोला स्थित मतदान केंद्र (बूथ) का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने बूथ पर चल रहे पुनरीक्षण कार्यों का जायजा लिया तथा मतदाता सूची से संबंधित अभिलेखों की जांच की। उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से अभियान की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ा जाए तथा अपात्र या त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों का नियमानुसार निष्पादन किया जाए।बीडीओ ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पूरी पारदर्शिता और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया।

अमवाटीकर में एसआईआर को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

लातेहार। जिले के अमवाटीकर में मंगलवार को एसआईआर को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण एवं जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में रांची से आए एसआईआर अभियान के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वहीं लातेहार जिले के विभिन्न प्रखंडों से इमाम, मस्जिद कमेटियों के अध्यक्ष, सचिव, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा अन्य जिम्मेदार नागरिक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।बैठक में एसआईआर प्रपत्र को सही ढंग से भरने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची के आधार पर किन लोगों का पोर्टल पर मैपिंग हुआ है और किनका नहीं। साथ ही मैपिंग सूची की जांच करने की पूरी प्रक्रिया भी समझाई गई।

इसके अलावा भविष्य में आवश्यक हो सकने वाले दस्तावेजों की जानकारी देते हुए लोगों से उन्हें पहले से तैयार रखने की अपील की गई। बैठक के दौरान प्रपत्र भरने और दस्तावेजों से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए, ताकि लोगों को समय पर सही मार्गदर्शन मिल सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड जनाधिकार महासभा, यूनाइटेड मिल्ली फोरम, साझा कदम, एपीसीआर तथा कारवां-ए-मोहब्बत भारत जोड़ो अभियान सहित कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रशिक्षक के रूप में भाग लिया। सभी संगठनों ने संयुक्त रूप से एसआईआर से संबंधित जागरूकता अभियान चलाने और लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने का संकल्प लिया।बैठक में डॉ. मुफ्ती मोहसिन आजम अमजदी, मौलाना परवेज अशरफी, कारी हसन नूरी, कारी बरकतुल्लाह रजवी, मौलाना गुलाम सर्वर फैजी, मौलाना ताहिर हुसैन मिस्बाही, हाफिज जमाल, हाफिज अब्दुल वकील, हाफिज अफजल, हाफिज हारून रशीद, कारी इरफान रजा, हाफिज शेर मोहम्मद, हाफिज जुबैर, हाफिज शुऐब, मौलाना अब्दुर रहीम, मास्टर परवेज आलम, मुबारक अंसारी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक एवं धार्मिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने गांव, मोहल्लों और क्षेत्रों में एसआईआर को लेकर जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया। साथ ही शिक्षित एवं जागरूक लोगों से अपील की गई कि वे आगे बढ़कर अपने परिवार, रिश्तेदारों, पड़ोसियों और जरूरतमंद लोगों का प्रपत्र सही ढंग से भरवाने में सहयोग करें, ताकि गलत जानकारी या तकनीकी त्रुटि के कारण किसी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

एसआईआर चालु, चुनाव पाठशाला एवं गणना प्रपत्र वितरण कार्य का उपायुक्त ने लिया जायजा

बिभा संवाददाता

रामगढ़: मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत चल रहे एन्यूमरेशन कार्य की प्रगति एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ऋतुराज ने मंगलवार को 23-रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्र वितरण, प्रपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया, मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही जानकारी तथा अभिलेख संधारण की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक

पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर आयोजित चुनाव पाठशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित मतदाताओं से संवाद करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं प्रक्रिया की जानकारी दी तथा सभी मतदाताओं से गणना प्रपत्र सही एवं पूर्ण रूप से भरकर समय पर बीएलओ को उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक मतदाता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी मतदाताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित प्रपत्र भरकर समय पर बीएलओ को उपलब्ध कराएं तथा शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में अपना सक्रिय सहयोग दें।

होप हॉस्पिटल, रामगढ़ में एआईजी हैदराबाद के सहयोग से दो दिवसीय विशेषज्ञ हृदय एवं फेफड़ा क्लिनिक का लोगों ने लाभ उठाया

बिभा संवाददाता

रामगढ़: दी होप हॉस्पिटल, रामगढ़ द्वारा जून 26 के अंत में दो दिवसीय मेगा स्पेशलाइज्ड कार्डियोलॉजी एवं पल्मोनोलॉजी क्लिनिक का भव्य और सफल आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर का संचालन हैदराबाद स्थित देश के अग्रणी चिकित्सा संस्थान एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (एआईजी) के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा किया गया।

विशेषज्ञों द्वारा इस क्लिनिक में हृदय रोग विभाग का नेतृत्व अक्क्ष हॉस्पिटल, हैदराबाद के वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. ए. उदय किरण ने किया। डॉ. किरण ने मरीजों की गहन जांच, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफी की रिपोर्ट देखकर परामर्श दिया और हृदय संबंधी जटिल बीमारियों पर महत्वपूर्ण सलाह दी।

वहीं फेफड़ा रोग विभाग में एआईजी के वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. निशांत सिन्हा ने सांस, दमा,

सीओपीडी, पोस्ट-कोविड फेफड़े की समस्याओं और अन्य श्वसन रोगों से पीड़ित मरीजों का परीक्षण किया। पीएफटी, एक्स-रे जैसी जांचों के आधार पर मरीजों को उपचार और जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन दिया गया।

इस विषेषज्ञ चिकित्सकों का दो दिनों में रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो सहित आसपास के जिलों से 50+ से अधिक मरीजों ने पंजीकरण कराकर विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ उठाया।

डॉक्टरों ने मरीजों को हार्ट अटैक के शुरूआती लक्षण, उच्च रक्तचाप नियंत्रण, धूम्रपान के दुष्प्रभाव और फेफड़ों को स्वस्थ रखने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया।

आस अवसर पर दी होप हॉस्पिटल के निदेशक दीपक जैन ने कहा, हमारा उद्देश्य रामगढ़ के लोगों को उनके शहर में ही विश्वस्तरीय सुपर-स्पेशलिटी इलाज उपलब्ध कराना है। एआईजी हैदराबाद जैसे संस्थान के साथ यह साझेदारी इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। मरीजों को अब कार्डियक और पल्मोनरी इलाज के लिए मेट्रो शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। भविष्य में भी हर महीने ऐसे विशेष ओपीडी क्लिनिक आयोजित किए जाएंगे।

क्लिनिक में आए मरीजों और उनके परिजनों ने हॉस्पिटल प्रशासन की इस पहल की खूब सराहना की। एक स्थानीय मरीज ने बताया, हैदराबाद के इतने बड़े डॉक्टर को अपने शहर में दिखाना हमारे लिए सपने जैसा था। जांच और सलाह दोनों एक ही जगह मिल गई, समय और पैसा दोनों बचा।

यह दो दिवसीय क्लिनिक क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ है।

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का भव्य आयोजन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर हाइब्रिड मोड में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत तथा वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में उसकी प्रासंगिकता पर गंभीर विमर्श करना था।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों के आगमन, दीप प्रज्वलन, स्वागत गीत तथा अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ। महाविद्यालय के अध्यक्ष एवं बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोज कुमार यादव, निदेशक डॉ. नजीर अंसारी तथा प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर

प्रकाश डाला।

सेमिनार में प्रो. (डॉ.) चंद्र भूषण शर्मा, कुलपति, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, विश्वविद्यालय के कुलसचिव सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा तथा परीक्षा नियंत्रक डॉ. पंकज कुमार मांझी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महाविद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंटकर स्वागत किया, जबकि बी.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) चंद्र भूषण शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानव कल्याण की सशक्त आधारशिला है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।सेमिनार में प्रो. (डॉ.) पी. एन. सिंह, प्रो. (डॉ.) ए. के. पांडेय एवं प्रो. (डॉ.) मृत्युंजय प्रसाद सहित अनेक विद्वानों ने भारतीय दर्शन, वैदिक साहित्य, योग, आयुर्वेद तथा पारंपरिक ज्ञान की शैक्षिक एवं सामाजिक उपयोगिता पर सारगर्भित व्याख्यान दिए। उनके विचारों ने प्रतिभागियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल सिद्धांतों को अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।प्रो. (डॉ.) सादिक रज्जाक, प्रॉक्टर, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, प्रो. (डॉ.) तनवीर यूनुस ने संबोधन में भारत की समृद्ध बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं भावी पीढ़ियों तक उसके प्रभावी प्रसार का आह्वान किया। अंत में डॉ. मनोज कुमार, सहायक प्राध्यापक ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय सेमिनार का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी, छात्र-छात्राएँ तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए प्रतिभागियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

बीएफसीएल में अरुणा बुधिया मेमोरियल कैरम एंड चेस टूर्नामेंट का सफल समापन

बिभा संवाददाता

रामगढ़: बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल), रामगढ़ में आयोजित अरुणा बुधिया मेमोरियल कैरम एंड चेस टूर्नामेंट 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कर्मचारियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, खेल भावना, टीमवर्क एवं आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

टूर्नामेंट में कैरम सिंगल्स प्रतियोगिता में 70 प्रतिभागियों, कैरम डबल्स वर्ग में 16 टीमों तथा शतरंज प्रतियोगिता में 36 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा, एकाग्रता एवं खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

रोमांचक मुकाबलों के बाद शतरंज

प्रतियोगिता में ऋषभ गुप्ता विजेता बने। कैरम सिंगल्स में जितेंद्र प्रसाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कैरम डबल्स प्रतियोगिता में जितेंद्र प्रसाद एवं सोमनाथ रॉय की जोड़ी ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों के उत्साह, अनुशासन और खेल भावना की सराहना की गई। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों ने कहा कि खेल गतिविधियाँ कर्मचारियों के मानसिक विकास, रणनीतिक सोच, एकाग्रता एवं टीम भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं।

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के

भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

संपादकीय

वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड

बड़े सोच के पैरामीटर भी बड़े करने होंगे, वरना धरातल पर आकर योजनाओं का बिखराव ही होगा। हिमाचल की दृष्टि में माई बाप मानने की संगत और ऐसी सियासत पैदा हुई है कि सारे हुजूर सत्ता में नजर आते हैं। इसलिए यहां भी वोट का आरक्षण फरियादी हो कर गारंटियां मांगता है। यहां निर्णायक होने की वजह सरकार से प्राप्तियां हैं और इसीलिए समीक्षाएं अकसर फेस वैल्यू पर होती हैं। हिमाचल के सामर्थ्य का दोहरा विभाजन है। एक ओर हम यह चाहते हैं कि सरकारें कर्ज न उठाएं, तो दूसरी ओर मुफ्त बंटवारे का फर्ज निभाएं। ऐसे में सत्ता और विपक्ष के बीच केवल एक जीत का अंतर सारे नक्शे नहीं बदल पाता, बल्कि बही खातों का बहाव बरकरार रहता है। बहरहाल चुंबकीय आकर्षण यह कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पिछड़ेपन के पत्तन तोड़ कर बड़ा भंगाल पहुंचे, तो कारवां महिलाओं तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने अपने कर्म और फर्ज का युक्तिकरण करते हुए अतिदुरुह क्षेत्रों के पत्थर तोड़े हैं और इसी कड़ी को बड़ा भंगाल से जोड़ते वह वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड टांग देते हैं। सवाल यह भी है कि सरकार के मायने सिर्फ इतने ही बचे हैं कि हिमाचली समाज अपने ही स्वार्थ की आरती उतारे। बड़ा भंगाल में पंद्रह सौ रुपए की पुडि?ा में सदियों का मर्म छुपा है, कोई ताकीद करे कि इस तरह रहम बहता है। कई दृष्टि से हिमाचल में बड़ा भंगाल अति पिछड़ा हो जाता है। जब सर्दियों के मौसम में बर्फ की सफेद चादर के नीचे दर्द की पट्टी उभरती है, तो कनेक्टिविटी के लिहाज से यह क्षेत्र लाहौल-किन्नौर से अति दुष्कर नजर आता है, तो क्या कोई एक सुरंग यहां के पथ को हमेशा बहाल नहीं कर सकती। बड़ा भंगाल की गुल्लक बैजनाथ में आकर खाली होती है, तो इसे हमेशा भरा हुआ रखने के लिए मख्यमंत्री का शपथपत्र काम आएगा।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। इससे हमारे विकास और बने रहने की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। अभिमान हमारी मूर्खता को ही व्यक्ति करता है।

मयार्दा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

सोनम लववंशी

'राम' भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मयार्दा का पर्याय हैं। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पूछने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है।

कबीर ने लिखा था कि, 'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।' उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं 'राम' साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतिष्ठा बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मयार्दा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मयार्दा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है।

समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है।

राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है। संगमरमर की चमक उस समय फीकी पड़ जाती है जब हिसाब की किताब धुंधली दिखाई देने लगे। राम भारतीय संस्कृति में इसलिए पूजनीय नहीं हैं कि वे शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने शक्ति पर मयार्दा को वरीयता दी। यदि आज उनके नाम पर बनी किसी भी व्यवस्था में मयार्दा की जगह अपारदर्शिता, सत्य की जगह प्रचार और जवाबदेही की जगह मौन ले ले, तो सबसे बड़ा अपमान राम का नहीं होगा। सबसे बड़ा अपमान उन मूल्यों का होगा जिनके कारण राम युगों-युगों तक आदर्श बने रहे। समय की माँग स्पष्ट है: श्रद्धा बनी रहे, किंतु उसके साथ साहस भी जुड़ा रहे; मंदिर खड़े रहें, लेकिन उनके साथ सत्य भी खड़ा रहे; दान आता रहे और उसके साथ सार्वजनिक लेखा-परीक्षा भी चलती रहे। क्योंकि अंततः राम की सबसे बड़ी पूजा दीप जलाने में नहीं, सार्वजनिक जीवन को मयार्दा, ईमानदारी और सत्य के प्रकाश से आलोकित करने में है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस - सफेद कोट में बसती है उम्मीद की सबसे बड़ी ताकत

योगेश कुमार गोयल

मानवता के सबसे बड़े जीवन-रक्षक को नमन...

चिकित्सकों के समाज के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रतिवर्ष एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। इस साल राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 'मुखौटे के पीछेः चिकित्सकों का उपचार कौन करता है?' (Behind the Mask: Who Heals the Healers?) विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय डॉक्टरों की भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक भलाई को स्वीकार करने और उसका समर्थन करने की आवश्यकता पर बल देता है, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें भी देखभाल और समर्थन की आवश्यकता है जबकि वे अपना जीवन दूसरों की देखभाल के लिए समर्पित करते हैं। वैसे चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

भारतीय समाज में चिकित्सकों को भगवान के समान दर्जा दिया गया है। हालांकि यह अलग बात है कि निजी अस्पतालों में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की भूमिका पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं लेकिन यह भी सच है कि चिकित्सक लोगों को विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों से निजात दिलाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। भारत में चिकित्सक दिवस की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए। डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

भारत के अलावा दूसरे देशों में भी चिकित्सकों के सम्मान में ऐसे ही दिवस मनाए जाते हैं किन्तु वहां उनका आयोजन अलग-अलग तारीखों में होता है। वैसे चिकित्सक दिवस की शुरूआत सबसे पहले अमेरिका के जॉर्जिया में हुई थी। वहां चिकित्सकों के सम्मान के लिए एक दिन निश्चित करने का सुझाव जॉर्जिया निवासी डा. चार्ल्स बी एलमंड की पत्नी यूडोरा ब्राउन एलमंड ने 30 मार्च 1933 को दिया था। 30 मार्च 1958 को यूएस के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने उनके उस सुझाव को स्वीकार करते हुए यह दिवस मनाना शुरू किया। वहां इसके लिए 30 मार्च की तारीख इसलिए रखी गई क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डा. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का उपयोग किया था। जहां अमेरिका में 30 मार्च को चिकित्सक दिवस मनाया जाता है, वहीं वियतनाम में इसकी स्थापना 28 फरवरी 1955 को हुई थी और वहां तभी से 28 फरवरी को या उसके आसपास वाले किसी दिन यह दिवस मनाया जाता है। ब्राजील में महान चिकित्सक रहे कैथोलिक चर्च के सेंट ल्यूक के जन्मदिवस के अवसर पर 18 अक्तूबर

को जबकि क्यूबा में पीले बुखार पर शोध करने वाले चिकित्सक कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिवस 3 दिसम्बर को यह दिवस मनाया जाता है। नेपाल में यह दिवस नेपाल मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना के बाद 4 मार्च को तथा ईरान में महान चिकित्सक एविसेना के जन्मदिवस के अवसर पर 23 अगस्त को मनाया जाता है।

बहरहाल, चूंकि चिकित्सकों को पृथ्वी पर भगवान का रूप माना गया है, इसलिए समाज की भी उनसे यही अपेक्षा रहती है कि वे अपना कर्त्तव्य ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। हालांकि निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों पर मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दरअसल निजी चिकित्सा तंत्र मुनाफाखोरी के व्यवसाय में परिवर्तित हो चुका है लेकिन फिर भी इस दीगर सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना हो या कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मधुमेह इत्यादि कोई भी बीमारी, छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियों से चिकित्सक ही करोड़ों लोगों को उबारते हैं। चूंकि चिकित्सक प्रायः मरीज को मौत के मुंह से भी बचाकर ले आते हैं, इसीलिए चिकित्सकों को भगवान का रूप माना जाता रहा है। चिकित्सा केवल पैसा कमाने के लिए एक पेशा मात्र नहीं है बल्कि समाज के कल्याण और उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसीलिए चिकित्सक को सदैव सम्मान की नजर से देखने वाले समाज के प्रति उनसे भी समर्पण की उम्मीद की जाती है।

जीएसटी के नौ वर्ष : कराधान का सरलीकरण, सशक्त भारत का निर्माण

बिहान भारत

जीएसटी ने अलग-अलग बिखरे हुए केंद्रीय और राज्य करों की जगह कराधान का एकीकृत ढांचा प्रस्तुत करके भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में बड़ा परिवर्तन किया है। इससे एक साझा राष्ट्रीय बाजार का निर्माण करने और एक राष्ट्र, एक कर के दृष्टिकोण का समर्थन करने में सहायता मिली है। जीएसटी 2017 में कार्यान्वयन के बाद से निरंतर सुधारों, डिजिटल प्रणालियों और केंद्र-राज्य के बीच मजबूत समन्वय के माध्यम से विकसित हुआ है। 2025 में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों ने कम दरों, छूटों और आसान प्रक्रियाओं के माध्यम से इस संरचना को और सरल बना दिया। इन उपायों का उद्देश्य घरेलू करदाताओं, एमएसएमई, किसानों, कारीगरों, निर्यातकों और विभिन्न व्यापार क्षेत्रों को लाभ पहुंचाना है।

जीएसटी : भारत की कर सुधार यात्रा में ऐतिहासिक मील का पत्थर

1 जुलाई, 2017 को वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) का शुभारंभ भारत की कर सुधार यात्रा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। ₹एक राष्ट्र, एक कर₹ का सिद्धांत अब वास्तविकता बन गया है जिससे भारत को एकीकृत कर प्रणाली की ओर अग्रसर होने में सहायता मिल रही है।

विगत नौ वर्षों में जीएसटी ने देश के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण को मजबूत किया है। इसके अंतर्गत तर्कसंगत कर दरों और मानकीकृत प्रक्रियाओं के माध्यम से देश में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ आर्थिक विकास हो रहा है।

जीएसटी के अंतर्गत 17 अलग-अलग करों और 13 उपकरों को एक साझा ढांचे में समाविष्ट कर दिया गया। इससे पूर्व, भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में कई केंद्रीय और राज्य-स्तरीय कर शामिल थे जिससे दरों और संरचनाओं में अंतर पैदा हुआ। इसके कारण व्यापार और उद्योग के लिए छिपी हुई लागतों को जोड़कर करों में वृद्धि हुई जिसे अक्सर ₹कर पर कर₹ के रूप में वर्णित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, सूचना प्रौद्योगिकी की मजबूत अवसंरचना के सहयोग से जीएसटी का उद्देश्य कर आधार को व्यापक बनाना और कर अनुशासन में सुधार करना था।

जीएसटी की मुख्य विशेषताएं

जीएसटी की संरचना में एक साथ कई प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं, जो यह परिभाषित करती है कि कर कैसे लगाया जाएगा और कैसे इसका प्रबंधन किया जाएगा।

व्यावहारिक उपयोगः जीएसटी के अंतर्गत वस्तुओं या सेवाओं की ₹आपूर्ति₹ पर कर लगाया जाता है, न कि अलग-अलग निर्माण, बिक्री या सेवा पर।

गंतव्य-आधारित उपभोग पर करः जीएसटी एक गंतव्य-आधारित उपभोग कर है। इसका अर्थ यह है कि यह उस राज्य को प्राप्त होगा जहां अंततः वस्तुओं या सेवाओं का उपभोग किया जाता है।

कवरेज और एकरूपताः यह लगभग सभी वस्तुओं और सेवाओं पर लागू होता है। लोगों के लिए शराब के उपभोग को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। यह देश भर में सामान्य कर दरों को लागू करके अधिक एकरूपता भी लाता है। ऐसी 5 वस्तुएं हैं जिन पर जीएसटी परिषद का अनुमोदन होने पर जीएसटी लगाया जा सकता है।

जीएसटी परिषदः परिषद जीएसटी पर प्रमुख निर्णयों का मार्गदर्शन करती है और देश भर में इसके कार्यान्वयन में सहयोग करती है।

सहकारी संघवाद का निर्माण

जीएसटी परिषद ने निर्णय लेने के लिए केंद्र और राज्यों को एक साथ लाकर सहकारी संघवाद को सुदृढ़ किया है। यह एक वैधानिक निकाय है जिसने नियमित रूप से मुद्दों की समीक्षा करके और उभरती चुनौतियों पर प्रतिक्रिया देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस लचीले दृष्टिकोण से अर्थव्यवस्था के सहयोग के लिए समय पर कर प्रणाली में बदलाव और सुधार संभव हुआ है।

गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन): जीएसटीएन केंद्र और राज्य सरकारों की 50-50 प्रतिशत स्वामित्व वाली कंपनी है जो वस्तु और सेवा कर प्रणाली के लिए सामान्य डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रदान करती है। यह विभिन्न डिजिटल सेवाओं को चालू करके केंद्र, राज्यों, करदाताओं और अन्य हितधारकों का सहयोग करती है।

दोहरा जीएसटी : जीएसटी दोहरी संरचना का पालन करता है जिसके अंतर्गत केंद्र की ओर से केंद्रीय वस्तु और सेवा कर (सीजीएसटी) लगाया जाता है और राज्यों की ओर से राज्य में आपूर्ति पर राज्य वस्तु और सेवा कर (एसजीएसटी) लगाया जाता है। वहीं, एकीकृत वस्तु और सेवा कर (आईजीएसटी) वस्तुओं और सेवाओं की सभी प्रकार की अंतर-राज्यीय आपूर्ति पर लगाया जाता है। आईजीएसटी दरें आम तौर पर सीजीएसटी/एसजीएसटी के दोगुने के बराबर होती हैं।

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और व्यवसायों के लिए कर प्रक्रियाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को स्वीकृति दी गई। 22 सितंबर 2025 से लागू इन सुधारों में दरों और छूटों को संशोधित किया गया। जीएसटी 2.0 के रूप में चर्चित ये सुधार कर सुधारों का वह नया चरण हैं जिनसे विकास की संभावनाएं प्रबल होती हैं। इसका एक विस्तृत अवलोकन यहां उपलब्ध है : जीएसटी सुधार 2025: आम आदमी के लिए राहत, व्यवसायों के लिए प्रोत्साहन।

प्रमुख उपाय

सुव्यवस्थित दर संरचनाः कर संरचना मुख्य रूप से 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में बदल दी गई है।

विलासिता और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं पर करः निष्पक्ष कर संरचना सुनिश्चित करते हुए राजस्व संतुलन बनाए रखने में सहायता प्रदान करने के लिए विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर कर की 40 प्रतिशत की दर शुरू की गई है। इसमें लॉटरी/ऑनलाइन गेमिंग, तंबाकू, काबोर्नेटेड पेय, अत्यधिक महंगी कारें, नौकाएं और निजी विमान शामिल हैं।

आसान अनुपालनः जीएसटी 2.0 में कर संशोधन किया गया है।

कुछ शर्तों के साथ कुछ मांग नोटिसों के लिए ब्याज और जुमार्ने में छूट का भी प्रावधान किया गया है। इसमें वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के मामले शामिल हैं।

जीएसटी के अंतर्गत डेटा-संचालित कर प्रशासन का उदय

जीएसटी सुधारों ने कर प्रशासन को तेजी से प्रौद्योगिकी-संचालित ढांचे की ओर स्थानांतरित कर दिया है।

वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) पोर्टल और ई-इनवॉइसिंग ने चालान संबंधी आंकड़ों को वास्तविक समय पर हासिल करने में सक्षम बनाकर प्रशासन को अधिक पारदर्शी बना दिया है। इससे कर्मचारियों की ओर से खुद रिपोर्ट बनाने की व्यवस्था में कमी आई है, सटीकता में सुधार हुआ है और रिपोर्टिंग में विसंगतियों को कम करने में मदद मिली है।

व्यवस्था के स्वचालन ने करदाताओं के लिए फाइलिंग प्रक्रियाओं को भी आसान बना दिया है। प्राप्तकर्ता इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के साथ आपूर्तिकर्ता की कर देयता के मिलान ने प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया है। पहले से भरे हुए रिटर्न, सरलीकृत समाधान और वास्तविक समय में सत्यापन ने त्रुटियों को कम कर दिया है और प्रक्रिया संबंधी समग्र आवश्यकताएं घटा दी हैं।

जीएसटी प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए एआई और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग अधिक लक्षित तरीके से निगरानी के लिए किया जा रहा है। वे डेटा पैटर्न और जोखिम संकेतकों का विश्लेषण करके संभावित कर चोरी की पहचान करने में सहायता करते हैं। इन उपकरणों को पंजीकरण, जांच आदि जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं में लागू किया गया है। यह प्रणाली को उच्च जोखिम वाले करदाताओं पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है जबकि अनुपालन करने वाले करदाताओं के लिए नियामक संबंधी आवश्यकताओं को आसान बनाता है।

इन उपायों का प्रभाव प्रशासनिक दक्षता में सुधार से कहीं आगे तक है और इससे भारत की व्यापक व्यापक आर्थिक मजबूती में सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कर संग्रह के अनुमान को अधिक आसान बना दिया है जिससे राजस्व में तेजी से वृद्धि और अधिक राजकोषीय पारदर्शिता में सहायता मिलती है।

कर की औपचारिक व्यवस्था का लाभ जीएसटी वृद्धि में परिलक्षित होता है

जीएसटी संग्रह आर्थिक गतिविधि का एक अहम और तेजी से बदलने वाला संकेत बन गया है। राजस्व में वृद्धि न केवल उच्च खपत और व्यापार को दर्शाती है, बल्कि करदाताओं की बढ़ती संख्या, मजबूत रिपोर्टिंग प्रणाली और बेहतर अनुपालन को भी दर्शाती है।

जीएसटी करदाताओं की संख्या 2017 में 66.5 लाख से बढ़कर मई 2026 तक 1.65 करोड़ हो गई। यह अर्थव्यवस्था में अधिकाधिक व्यवसायों के कर व्यवस्था से औपचारिक रूप से जुड़ने की ओर संकेत देता है।

2017-18 में सकल जीएसटी संग्रह लगभग 7.4 लाख करोड़ रुपये था और पिछले कुछ वर्षों में इसमें लगातार वृद्धि हुई है।

पिछले पांच वर्षों में, कर संग्रह 2021-22 में प13.76 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में प22.27 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह गति 2026-27 में भी जारी रही है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान जीएसटी संग्रह लगभग 4.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

जीएसटी की निरंतर सुधार यात्रा

जीएसटी दिवस का महत्व ऐतिहासिक कर सुधार व्यवस्था के शुभारंभ को स्मरण करने तक ही सीमित नहीं है। यह एक सरल, अधिक पारदर्शी और एकीकृत अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के निर्माण के भारत के निरंतर प्रयास को दर्शाता है। जीएसटी 2.0 के अंतर्गत किए गए सुधार नागरिकों और व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूरा करके और विकसित भारत की दिशा में भारत के विकास में सहयोग करके इस प्रगति को आगे बढ़ा रहे हैं।

एमएसएमई और छोटे करदाताओं के लिए अनुपालन में आसानी

एमएसएमई, स्टार्टअप्स और छोटे करदाताओं के लिए भी अनुपालन को आसान बनाने के उद्देश्य से समय के साथ अनेक उपाय किए गए हैं।

अधिकाधिक छूटः वस्तुओं के आपूर्तिकर्ताओं के लिए जीएसटी पंजीकरण सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 40 लाख रुपये कर दी गई जो अप्रैल 2019 से प्रभावी है। कंपोजिशन स्कीम की सीमा भी 75 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपये (कुछ विशेष श्रेणी के राज्यों को छोड़कर) कर दी गई है।

कंपोजिशन स्कीम

यह योजना छोटे करदाताओं के लिए तैयार की गई है जिससे उन्हें टर्नओवर पर एक निश्चित दर पर जीएसटी का भुगतान करने की अनुमति मिलती है। इसमें कम दस्तावेजओं की आवश्यकता और सरल रिटर्न-फाइलिंग शामिल हैं।

सरल रिटर्न फाइलिंगः त्रैमासिक रिटर्न फाइलिंग और मासिक भुगतान (क्यूआरएमपी) योजना 2020 में शुरू की गई ताकि रिटर्न की त्रैमासिक फाइलिंग की अनुमति मिल सके। इसमें 5 करोड़ रुपये तक के वार्षिक टर्नओवर वाले करदाताओं को शामिल किया गया है।

इसके अतिरिक्त, जिन करदाताओं ने लेनदेन नहीं किया वे भी एसएमएस के माध्यम से शून्य मासिक जीएसटी रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

छोटे व्यवसायों और ई-कॉमर्स विक्रेताओं के लिए सहायता : ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से राज्यों के अंदर ही वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले छोटे करदाताओं को अक्टूबर 2023 से अनिवार्य जीएसटी पंजीकरण से छूट दी गई है।

कम जोखिम वाले आवेदकों के लिए आसान पंजीकरण योजना भी शुरू की गई है जिससे तीन कार्य दिवसों के भीतर पंजीकरण की अनुमति मिलती है।

विवादों और पिछली मांगों में राहतः जीएसटी अपील दायर करने के लिए आवश्यक प्री-डिपॉजिट राशि को कम करने के लिए की रकम की वापसी को तेज करते हुए और लागत को कम करते हुए पंजीकरण और रिटर्न फाइलिंग को भी आसान बनाया गया है। इससे व्यवसायों, विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए प्रक्रिया आसान हुई है।

कम लागत, व्यापक प्रभाव

जीएसटी 2.0 कर दरों में कटौती के अतिरिक्त, लागत में कमी लाकर, सामर्थ्य में सुधार, अनुपालन और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करके भारत के विकास चक्र में सहयोग कर रहा है।

जीएसटी 2.0 का उद्देश्य व्यापक क्षेत्रीय पहुंच के साथ निर्यात, कारीगरों, किसानों और दीर्घकालिक विनिर्माण को लाभ पहुंचाना है।

परिवारों और उपभोक्ताओं के लिए राहत :

सस्ती वस्तुओं और सेवाओं से खपत में वृद्धि होती है और बचत में सहायता मिलती है।

बीमा और आवश्यक दवाओं पर जीएसटी छूट से पारिवारिक सुरक्षा सुदृढ़ होती है और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार होता है।

एमएसएमई और उद्योग के लिए प्रोत्साहन :

सीमेंट, हस्तशिल्प जैसे प्रमुख क्षेत्रों और कच्चे माल पर जीएसटी दरों में कमी से उत्पादन लागत घटती है और व्यापार संबंधी प्रतिस्पर्धा में सुधार होता है।

सरलीकृत कर संरचना वर्गीकरण से संबंधित विवादों में कमी लाती है और व्यवसायों के लिए कर संबंधी निर्णयों को आसान बनाती है। समय के साथ, यह कर आधार का विस्तार करने और राजस्व वृद्धि में सहयोग करने में सहायक है।

जहां कच्चे माल या इनपुट पर चुकाए गए कर की दर, अंतिम तैयार माल पर लगने वाले कर की दर से अधिक होती है (इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर) उसमें कर संरचना में सुधार से घरेलू सामग्री की गुणवत्ता में वृद्धि को प्रोत्साहन मिलता है और निर्यात को बढ़ावा मिलता है।

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

ऑडिटरी लर्नर: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

काइनेस्थैटिक लर्नर: इसमें बच्चा मूव करके ओर खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बढ़ेगा, जिससे उसे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फैक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गढ़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं,

कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फैक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दित या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटिगरी यानी ऐसी कैटिगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

डॉ. नूपुर गुप्ता, कंसलेंट ऑब्स्टट्रिशन एंड गाइनोकोलोजिस्ट

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

उत्तर प्रदेश में हादसों का कहर : 9 की मौत, 22 घायल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में दो अलग-अलग हादसों ने राज्य को स्तब्ध कर दिया, जिसमें कम से कम 9 लोगों की जान चली गई और 22 अन्य घायल हो गए। इन दुखद घटनाओं में एक भीषण बस दुर्घटना और तूफान के कारण पेड़ गिरने का हादसा शामिल है। पहला हादसा सुबह मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ, जब एक डबल-डेकर स्लीपर बस ट्रक से टकरा गई। राया पुलिस स्टेशन इलाके में हुई भीषण टक्कर में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, लखनऊ से नोएडा जा रही बस में करीब 65 यात्री सवार थे। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मृतकों की पहचान करने का प्रयास कर रही है, वहीं हादसे के कारणों की जांच जारी है। एक अलग और उतनी ही हृदय विदारक घटना में, फिरोजाबाद जिले में एक ई-रिक्शा पर अचानक एक बड़ा नीम का पेड़ गिर गया। यह हादसा तब हुआ जब एटा जिले के आवागढ़ से फरिहा जा रहे ई-रिक्शा पर ज़ोरदार तूफान के दौरान सड़क किनारे खड़ा पेड़ आ गिरा, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए। पेड़ गिरने से ई-रिक्शा बुरी तरह पिचक गया और उसमें सवार सभी आठ यात्री अंदर ही फंस गए। पुलिस, फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और जेसीबी मशीन की मदद से पेड़ को हटाकर पीड़ितों को बाहर निकाला। घायलों को सरकारी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुँचने से पहले ही गजेंद्र (28), हरेश पाल (59), विष्णु (20), अमन (17) और गंगा सिंह (65) नामक पांच लोगों ने दम तोड़ दिया। तीन घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्कूल बस पर गिरा विशाल पेड़, छात्रा की मौत, 10 बच्चे घायल

-चेंबूर में बारिश और तेज हवा के बीच हुआ हादसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब बच्चों से भरी एक स्कूल बस पर अचानक एक विशाल पेड़ गिर गया। इस हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, चेंबूर के रोड नंबर-11 पर स्कूल बस पेड़ के नीचे खड़ी थी। बस में कुल 13 छात्र सवार थे। इसी दौरान लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण कमजोर हो चुका एक बड़ा पेड़ अचानक बस पर गिर पड़ा। हादसा इतना अचानक हुआ कि बच्चों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पेड़ गिरने के बाद बस के भीतर कई छात्र फंस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस, दमकल विभाग और बचाव टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीमों ने पेड़ को काटकर बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। राहत कार्य के दौरान भारी मशीनों और उपकरणों की मदद ली गई। हादसे में घायल बच्चों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घायलों का इलाज जैन अस्पताल सहित अन्य चिकित्सा केंद्रों में चल रहा है। कुछ बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, एक छात्रा की इस हादसे में मृत्यु हो गई, जबकि अन्य बच्चों का उपचार जारी है। घटना के बाद स्थानीय निवासियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। लोगों का आरोप है कि उन्होंने पहले भी संबंधित अधिकारियों और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को इलाके के पुराने और कमजोर पेड़ों की छंटाई तथा रखरखाव को लेकर कई बार शिकायत की थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व महापौर और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता किशोरी पेडणेकर ने पेड़ों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम से पहले कमजोर और पुराने पेड़ों की जांच तथा छंटाई अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि संबंधित क्षेत्र के उद्यान विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि समय पर निरीक्षण और रखरखाव से इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता था। लगातार हो रही बारिश के बीच मुंबई में पेड़ों के गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं।

शिंदे का ऑपरेशन टाइगर जारी : यूबीटी के एमएलसी सचिन अहीर पाला बदलकर शिंदे गुट में

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को फिर बड़ा झटका लगा है। पार्टी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने पाला बदल लिया है और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल हुए हैं। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद, अहीर ने महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। यह नामांकन उन्होंने शिवसेना उम्मीदवार के तौर पर भरा है। इस नए घटनाक्रम ने उपमुख्यमंत्री शिंदे की राजनीतिक रणनीति को फिर सुर्खियों में ला दिया है। उनकी रणनीति को अक्सर ऑपरेशन टाइगर के नाम से जाना जाता है, जिसके तहत वे लगातार उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) सहित अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को अपनी ओर खींच रहे हैं। सचिन अहीर के पाला बदलने से महाराष्ट्र की राजनीति में गहमागहमी बढ़ गई है और यह उद्धव ठाकरे के लिए एक और चुनौती मानी जा रही है, क्योंकि विधानसभा चुनावों से पहले अपनी पार्टी को एकजुट रखने का दबाव उन पर बढ़ता जा रहा है।

हाईकोर्ट जाइएज्भरत तिवारी एनकाउंटर केस सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सीधे सुनवाई से इंकार कर संबंधित हाईकोर्ट जाने को कह दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करने से मना किया। यह याचिका भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के निवासी भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर को लेकर अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की थी। याचिका में दावा था कि भरत तिवारी का एनकाउंटर फर्जी था, और पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से करने की मांग की गई थी। साथ ही, याचिकाकर्ता ने एनकाउंटर में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का आदेश देने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि कानून के राज और लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना जरुरी है। इसके लिए जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में बनी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति करे। वहीं पुलिस का दावा है कि भरत तिवारी एक आपराधिक मामले में वांछित थे और मुठभेड़ के दौरान उनकी मौत हो गई।

शरद पवार-कांग्रेस विलय: 27 साल बाद कांग्रेस में 'घर वापसी', शरद पवार की पार्टी के विलय पर बड़ा खुलासा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति से इस समय की सबसे बड़ी और धमाकेदार सियासी खबर सामने आ रही है। शरद पवार की पार्टी और कांग्रेस के बीच विलय को लेकर बेहद गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है। इस बात की आधिकारिक पुष्टि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजय वडेट्टीवार ने की है। एनडीटीवी से खास बातचीत में विजय वडेट्टीवार ने इस संभावित विलय पर मुहर लगाते हुए कहा शरद पवार की पार्टी के कांग्रेस में विलय को लेकर हमारे केंद्रीय आलाकमान के साथ बातचीत चल रही है। जो लोग भी कांग्रेस और शरद पवार की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उन सभी का हमारी पार्टी में हमेशा स्वागत है।

27 साल बाद 'घर वापसी' की तैयारी?

सियासी गलियारों में इस खबर के बाद से हलचल तेज हो गई है। गौरतलब है कि साल 1999 में शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी' (NCP) का गठन किया था। लेकिन समय का चक्र ऐसा घूमा कि साल 2023 में उनके भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और एनसीपी को दो फाड़ कर दिया। अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। भतीजे की बगावत के बाद शरद पवार की पार्टी (NCP-SP) महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और अब दोनों दलों के पूरी तरह एक होने की सुगबुगाहट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में नया उबाल ला दिया है।

हाल के झटकों से पार्टी चौकन्ना

ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेताओं को हाल ही में राजनीतिक झटके लगे हैं। उनके सांसदों ने अपनी मूल पार्टियों को छोड़कर अलग गुट बनाने का फैसला किया है और इसी माहौल में कांग्रेस के साथ संभावित विलय की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, नई दिल्ली में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कांग्रेस में विलय को लेकर वरिष्ठ नेतृत्व स्तर पर बातचीत अब अंतिम चरण में है और इसमें सकारात्मक प्रगति हुई है। सूत्रों का यह भी कहना है कि कांग्रेस लीडरशिप ने NCP (शरदचंद्र पवार) के उन विधायकों और सांसदों को हरी झंडी दे दी है जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 85 साल के शरद पवार और उनकी पार्टी के राजनीतिक भविष्य को लेकर दो अलग-अलग राय सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी का एक धड़ा नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) में शामिल होने के पक्ष में है। उनका तर्क है कि पार्टी की संसदीय ताकत उसे NDA का हिस्सा बनने में मदद कर सकती है।

एनडीए बनाम कांग्रेस विलय पर आंतरिक मतभेद

इस खेमे के नेताओं का यह भी मानना है कि विपक्ष में रहने के कारण राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर विकास कार्यों और अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को हल करवाना मुश्किल हो गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार चाहते थे कि अगर NCP के दोनों गुट फिर से एक हो जाएं, तो भी NDA के साथ ही बने रहा जाए, क्योंकि वे पहले से ही इस गठबंधन का हिस्सा थे। हालांकि, उनके निधन के बाद दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना कम हो गई है, लेकिन पार्टी के इस धड़े का मानना है कि NDA में अलग से शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पार्टी के भीतर एक दूसरा गुट कांग्रेस के साथ विलय के पक्ष में बताया जाता है।

खामेनेई की मौत : प्रियंका चतुर्वेदी और कंचन गुप्ता के बीच तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई को अंतिम विदाई देने के बाद भी भारत में उनकी मौत को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता के बीच मामले पर तीखी बहस छिड़ गई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत सरकार पर खामेनेई की मौत पर आधिकारिक चुप्पी साधने का आरोप लगाया है, जबकि कंचन गुप्ता ने गलत जानकारी बताकर पलटवार किया है। कंचन गुप्ता ने पोस्ट कर शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी पर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 28 फरवरी को अपने ईरानी समकक्ष से बात की थी, जिस दिन पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ था। इसके अतिरिक्त, विदेश सचिव ने 5 मार्च को ईरानी दूतावास का दौरा किया था, तभी जब दूतावास ने शोक-संदेश पुस्तिका खोली थी। गुप्ता ने कहा कि ये दोनों बातें सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा हैं और विदेश मामलों में गहरी रुचि रखने वाली पूर्व सांसद के लिए अपनी बात को सही साबित करने के लिए मनगढ़ंत तथ्य गढ़ना शोभा नहीं देता। जवाब में, प्रियंका चतुर्वेदी ने कंचन गुप्ता के बयान को आधी-अधूरी बात बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मूल पोस्ट खामेनेई की मौत पर भारत सरकार द्वारा शोक व्यक्त न करने के बारे में थी। उन्होंने 28 फरवरी को जयशंकर के उस ट्वीट का हवाला दिया जिसमें उन्होंने इजरायल और ईरान के विदेश मंत्रियों से बात करके संयम बरतने की अपील की थी, लेकिन खामेनेई की मौत के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा था। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने कहा कि जब तक विदेश सचिव ने शोक संदेश वाली किताब में संदेश नहीं लिखा, तब तक भारत सरकार ने उनकी मौत पर आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 1 मार्च को नेतन्याहू से बातचीत का भी जिक्र किया, जिसमें खामेनेई की मौत पर कोई टिप्पणी नहीं की गई थी।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हमले से अंतरराष्ट्रीय निंदा, भारत ने दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में किए गए हवाई हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गहरी चिंता पैदा की है। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित करीब 36 लोगों की मौत हो गई, जबकि 163 अन्य घायल हुए हैं। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने पुष्टि की कि कई घरों को निशाना बनाया गया, जिससे मरने वालों में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने घटना पर गहरी चिंता जताकर नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सभी पक्षों से हिंसा छोड़कर कूटनीति का रास्ता अपनाने और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने की अपील की। यूरोपीय संघ ने भी संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक रिचर्ड बेनेट ने निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की, जबकि ब्रिटेन के विशेष दूत रिचर्ड लिंडसे ने बढ़ती हिंसा पर दुख व्यक्त कर शांति की अपील की।

इस बीच, भारत ने पाकिस्तान के इन हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पाकिस्तान की खुली आक्रामकता अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला है और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने अटूट समर्थन जताकर और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

जवाबी कार्रवाई में, अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास के चार्जे डी'अफेयर्स को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने और नागरिकों के घरों पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया। अफगानिस्तान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक सुरक्षा समस्याओं के लिए लंबे समय से अफगानिस्तान को दोषी ठहरा रहा है, और सैन्य कार्रवाई से नहीं बल्कि बातचीत से समाधान निकालने का आग्रह किया।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर कांग्रेस का भाजपा पर हमला

-सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- '2024 में अयोध्या ने सबक सिखाया, लेकिन भाजपा ने नहीं सीखा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर राजनीतिक गलियारा लगातार गरमाता जा रहा है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी मामले में सफाई देने और स्थिति स्पष्ट करने में जुटी है, वहीं विपक्षी दल केंद्र सरकार और भाजपा पर हमलावर बने हुए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला है।

दरअसल कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत का एक वीडियो साझा किया है। इसके साथ पार्टी ने आरोप लगाया कि लोगों के बीच सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से यह संदेश फैलाया जा रहा है कि भगवान राम स्वयं सब देख रहे हैं और इस मामले को लेकर विपक्ष को बोलने की

आवश्यकता नहीं है। सुप्रिया श्रीनेत ने अपने बयान में कहा, भाजपा हिंदू समाज में उत्पन्न नाराजगी और आक्रोश को शांत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवान राम सब देखते हैं और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अयोध्या की जनता ने भाजपा को हराकर एक संदेश दिया था, लेकिन पार्टी ने उससे कोई सबक नहीं लिया।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और उनसे जुड़े संगठनों ने भगवान राम की भावनाओं को समझने में भूल की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रावण ने भगवान राम को कमतर आंकने की गलती की थी, उसी प्रकार भाजपा ने भी जनता की भावनाओं को नजरअंदाज किया है। सुप्रिया श्रीनेत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए कहा, कथित अनियमितताओं के मामले में लीपापोती या जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म और आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच और गिरफ्तारियों को लेकर हाल के दिनों में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। विपक्ष इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा की ओर से विभिन्न स्तरों पर सफाई दी जा रही है।

राम मंदिर चंदा घोटाले पर मायावती सख्त, कार्रवाई और सिस्टम बदलने की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की और साथ ही मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की चेतावनी दी। पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी, गबन और हेराफेरी की मीडिया रिपोर्टें चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने मामले का राजनीतिकरण करने को भी अनुचित बताया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने भविष्य में ऐसी शिकायतों को रोकने के लिए देश के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में जारी अकाउंटिंग प्रणाली को अपनाने का सुझाव दिया, ताकि मामले को जल्द से जल्द सुलझाया जा सके। उन्होंने अपराध, राजनीति और धर्म को आपस में न मिलाने की चेतावनी देकर कहा कि यही उचित होगा और संविधान के अनुरूप होगा। यह बयान अयोध्या पुलिस और राज्य सरकार की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की चल रही जांच के बीच आया है। मामले में अब तक दान की नकदी की गिनती से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं, मंदिर प्रबंधन से जुड़े उच्च-स्तरीय अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है।

इस बीच, पुलिस ने राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से लगभग तीन घंटे तक पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सूत्रों के

मुताबिक, जांचकर्ताओं ने उनसे प्रशासनिक फैसलों और दान के प्रबंधन से जुड़े कई अहम सवाल पूछे। चंपत राय ने दान की चोरी में अपनी भूमिका से इंकार किया है। पुलिस अब उनके बयान की तुलना अन्य गवाहों और सबूतों से करेगी। एसआईटी जुलाई के पहले सप्ताह में अपनी जांच पूरी कर सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है।

चुनाव के बाद टीएमसी में बगावत.... खुद को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस

-वेणुगोपाल ने दिए संगठन को मजबूत करने के आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल ने हाल ही में पश्चिम बंगाल का दो दिवसीय दौरा कर पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने राज्य के नेताओं को आगामी विधानसभा उपचुनावों और निकाय चुनावों से पहले पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के निर्देश दिए है। यह दौरा राज्य में कांग्रेस के पुनरुत्थान अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल ने दौरे के दौरान जिला कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों और पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) के सदस्यों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में हालिया चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा हुई और पश्चिम बंगाल के मौजूदा राजनीतिक हालात पर गंभीर चर्चा हुई। इन महत्वपूर्ण बैठकों में पश्चिम बंगाल के प्रभारी महासचिव गुलाम अहमद मीर, पार्टी महासचिव दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार, पार्टी सचिव अंबा प्रसाद सहित कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी शिरकत की। बैठकों में कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय बनने पर जोर दिया गया। वेणुगोपाल ने बूथ और प्रखंड स्तर की समितियों को मजबूत करने, जनसंपर्क बढ़ाने और आगामी विधानसभा उपचुनावों के साथ-साथ नगर पालिका व नगर निगम चुनावों के लिए संगठन को पूरी तरह तैयार करने पर जोर दिया। उनका संदेश स्पष्ट था कि पार्टी को जनता के बीच अपनी उपस्थिति और पकड़ को मजबूत करना होगा। पार्टी ने आगामी 21 जुलाई को प्रदेश कांग्रेस के प्रस्तावित 'शहीद मीनार चलो' कार्यक्रम की तैयारियों की भी समीक्षा की और पार्टी कार्यकर्ताओं से इसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। इसके अतिरिक्त, वेणुगोपाल ने प्रदेश इकाई से देशव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और 9 अगस्त को नई दिल्ली में होने वाली इसकी समापन रैली के लिए विद्यार्थियों और युवाओं को एकजुट करने का भी आग्रह किया। यह सभी प्रयास पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के पुनरुत्थान और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से तत्काल जमानत नहीं, गंभीर स्वास्थ्य बिगड़ने पर विचार

-राजस्थान सरकार तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2013 के नाबालिग से यौन उत्पीड़न मामले में आसाराम बापू की जमानत याचिका पर तत्काल कोई राहत देने से इंकार किया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और शील नागू की बेंच ने राजस्थान सरकार से याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें आसाराम ने जोधपुर में नाबालिग के यौन उत्पीड़न मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि वह राज्य का पक्ष सुने बिना या जब तक आसाराम की सेहत स्पष्ट रूप से बेहद गंभीर न हो जाए, जमानत देने के पक्ष में नहीं है।

यह मामला अगस्त 2013 का है, जब आरोप लगा था कि आसाराम बापू के जोधपुर आश्रम में नाबालिग भक्त को गलत तरीके से बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न किया था। एक ट्रायल कोर्ट ने आसाराम बापू को रेप और संबंधित अपराधों के लिए दोषी माना था, जिसकी सजा को साल 2026 मई में राजस्थान हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। हालांकि, हाईकोर्ट ने आपराधिक साजिश और गैंग रेप के आरोपों से आसाराम और सह-आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है।

आसाराम की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट से उनकी मेडिकल कंडीशन पर विचार करने की अपील की। वकील नायडू ने बताया कि आसाराम अब 90 साल के हैं और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनका इलाज आयुर्वेदिक अस्पताल में हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया ट्रायल को लेकर चिंता जताकर कोर्ट को ही अपनी एकमात्र उम्मीद बताया।

राजस्थान सरकार के वकील ने किसी भी तरह की अंतरिम राहत देने का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह मामला एक नाबालिग पीड़िता से जुड़ा है और आसाराम को आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर उन्हें जमानत पर रिहा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने आखिर में निर्देश दिया कि आसाराम को दी जा रही मेडिकल सुविधाएं जारी रह सकती हैं। बेंच ने कहा कि अंतरिम जमानत के सवाल पर राज्य का पक्ष सुनने के बाद ही विचार होगा। हालांकि, कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि अगर आसाराम की तबीयत बेहद गंभीर हो जाती है और जान बचाने की नौबत आती है, तब तत्काल राहत के लिए मामले का उल्लेख किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

सप्तपदी के बिना हिंदू विवाह अमान्य, चाहे वैध सर्टिफिकेट हो: गुजरात हाईकोर्ट

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत निर्धारित आवश्यक रस्में, जैसे कि सप्तपदी (सात फेरे) के बिना, सिर्फ एक पंजीकृत विवाह प्रमाण पत्र किसी हिंदू शादी को वैध नहीं बना सकता। जस्टिस इलेश जे वोरा और आरटी वच्छानी की खंडपीठ ने कहा कि विवाह प्रमाण पत्र केवल उस शादी का सबूत है जो पहले ही सही ढंग से संपन्न हुई है, यह ऐसी शादी को वैध नहीं करता जिसमें निर्धारित रस्में कभी निभाई नहीं गई।

गुजरात कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई कर बताया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के तहत, हिंदू शादी दोनों में से किसी भी पक्ष के रीति-रिवाजों और रस्मों के अनुसार संपन्न होनी चाहिए। यदि इन रस्मों में सप्तपदी शामिल है, तब शादी सातवें कदम के बाद ही पूर्ण और कानूनी रूप से मान्य होती है। कोर्ट ने कहा कि संपन्न शब्द का अर्थ है कि शादी सही तरीके से और ज़रूरी रस्मों के साथ होनी चाहिए, जिनके बिना कानून की नज़र में कोई वैध हिंदू शादी नहीं मानी जाती।

यह मामला यूनाइटेड किंगडम निवासी एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा था। व्यक्ति ने दावा किया कि मुझे एक महिला के साथ अपनी कथित शादी का तब पता चला जब वह शादी का सर्टिफिकेट लेकर उसके माता-पिता के पास पहुंची। शख्स ने आरोप लगाया कि उसने कभी उस महिला से शादी नहीं की, न कोई हिंदू रीति-रिवाज या रस्में निभाईं, और न ही कभी पति-पत्नी के तौर पर साथ रहा। शख्स ने आरोप लगाया कि मुझसे धोखे से शादी के कागजात पर दस्तखत कराए गए थे। दिलचस्प बात यह है कि सुनवाई के दौरान महिला ने खुद लिखित में स्वीकार किया कि शादी की कोई रस्म या समारोह नहीं हुआ था और दोनों के बीच पति-पत्नी का कोई रिश्ता नहीं था। इन स्वीकारोक्तियों के बावजूद, फैमिली कोर्ट ने शादी को अमान्य घोषित करने से इंकार किया था, यह मानते हुए कि पंजीकृत प्रमाण पत्र के कारण पूरी सुनवाई की आवश्यकता है।

इसके बाद हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि जब महिला ने स्वयं मान लिया है कि हिंदू शादी की आवश्यक रस्में कभी नहीं निभाई गईं, तब दोनों पक्षों को लंबी सुनवाई से गुजरने के लिए मजबूर करने का कोई कारण नहीं है। बेंच ने कहा कि हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 8 के तहत पंजीकरण केवल कानूनी तौर पर हुई शादी का सबूत देता है; यह अपने आप में पति-पत्नी का कानूनी दर्जा नहीं बना सकता। हाईकोर्ट ने सप्तपदी के महत्व का जिक्र कर कहा कि हिंदू शादी एक संस्कार है, न कि केवल गाने-बजाने या खाने-पीने का मौका, और न ही यह कोई कारोबारी लेनदेन है, यह एक पवित्र संस्था है। इस कारण, कोर्ट ने उस कथित शादी को अमान्य घोषित कर दिया और याचिकाकर्ता को शादी के पंजीकरण और प्रमाण पत्र को रद्द करवाने के लिए संबंधित अधिकारी के पास जाने की इजाज़त दे दी।

राजमहल में हूल दिवस पर शहीद सिद्धू-कानू को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

अनुमंडल पदाधिकारी सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर अर्पित किए फूल, शहादत को किया नमन

बिभा संवाददाता

राजमहल। महान स्वतंत्रता सेनानी वीर शहीद सिद्धू-कानू के बलिदान और 1855 के ऐतिहासिक हूल विद्रोह की याद में मंगलवार को राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र में हूल दिवस बड़ी श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। अनुमंडल पदाधिकारी आवास के समीप स्थित सिद्धू-कानू की प्रतिमा स्थल पर आयोजित मुख्य समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों ने अलग-अलग पहुंचकर अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। वही कार्यक्रम के पहले चरण में राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी

सदानंद महतो, एलआरडीसी विमल सोरेन, सीओ सह प्रभारी बीडीओ मो. युसूफ, कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन, नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख तथा उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने संयुक्त रूप से प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू भी विशेष रूप से मौजूद रहे। सभी ने सिद्धू-कानू के अदम्य साहस, त्याग और देश की आजादी के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को भावपूर्ण ढंग से याद किया। इसके उपरांत नगर पंचायत के वार्ड पार्षद राजकुमार मंडल, उज्जवल हालदार, अभिजीत कुमार और सिटी मैनेजर जितेश चौधरी सहित अन्य प्रतिनिधियों ने माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

हूल दिवस पर सिद्धू-कान्हू को दी गई श्रद्धांजलि, शहीदों के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

बिभा संवाददाता

राजमहल। हूल दिवस के अवसर पर राजमहल स्थित सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर विभिन्न संगठनों एवं राजनीतिक दलों ने माल्यार्पण कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके बलिदान को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष दीपक चंद्रवंशी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल प्रतिमा स्थल पहुंचा। भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने विधिवत माल्यार्पण कर सिद्धू-कान्हू सहित हूल क्रांति के सभी अमर सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने कहा कि सिद्धू-कान्हू का संघर्ष अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आदिवासी स्वाभिमान, एकता और स्वतंत्रता का अमर प्रतीक है। उनका बलिदान आज भी समाज और नई पीढ़ी को अन्याय के खिलाफ संघर्ष तथा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से कार्तिक साहा, अजय चौधरी, शेखर बर्मन, सिंटू यादव, किशोर जैन, राहुल चौधरी, सूरज चौधरी, फकीर चंद्र मंडल, आशुतोष विश्वास, रितेश साहा, पवन मोदी, गगन हालदार समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने बारी-बारी से प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्रभक्ति और शहीदों के आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित संक्षिप्त विचार-गोष्ठी में वक्ताओं ने हूल विद्रोह की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा वर्तमान समाज में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हूल विद्रोह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि शोषण और अन्याय के विरुद्ध जनजागरण का प्रतीक था। गौरतलब है कि 30 जून 1855 को संथाल परगना के भोगनाडीह में सिद्धू-कान्हू के नेतृत्व में हजारों संथाल आदिवासियों ने अंग्रेजी शासन और जमींदारों के अत्याचार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह का बिगुल फूंका था। यह हूल विद्रोह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के शुरूआती और सबसे संगठित जनआंदोलनों में से एक माना जाता है। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 30 जून को झारखंड सहित पड़ोसी राज्यों में हूल दिवस मनाया जाता है। राजमहल में भी इस वर्ष यह दिवस श्रद्धा, सम्मान और एकजुटता के साथ मनाया गया।

संक्षिप्त खबरें

हूल दिवस पर अभाविप ने अमर सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

साहेबगंज(बिभा)। हूल दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की साहेबगंज नगर इकाई ने सिद्धो-कान्हू स्टेडियम में वीर सिद्धो-कान्हू, चाँद-भैरव एवं फूलो-झानो की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने युवाओं से हूल क्रांति के अमर सेनानियों के आदर्शों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नगर मंत्री चंदन कुमार ने कहा कि हूल क्रांति भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम संगठित जनआंदोलनों में से एक थी। वहीं प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रजीत साह ने हूल दिवस को जनजातीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया। प्रदेश छात्रा प्रमुख निधि सिंह ने युवाओं से अन्याय के विरुद्ध संगठित होकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। मौके पर जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, देवोत्तम कुमार, अमृत राज, पूर्णब कुमार, दीपिका कुमारी, अविनाश कुमार सहित अभाविप के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण, आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

तालझारी(बिभा)। शादी का प्रलोभन देकर युवती के साथ यौन शोषण करने के आरोप में तालझारी पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जिसकी जानकारी तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र की एक युवती ने जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के सावलापुर

निवासी रामनाथ सिंह के पुत्र राजा कुमार सिंह के खिलाफ शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का मामला दर्ज कराया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सोमवार को उसके घर पर छापेमारी कर आरोपी राजा कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।
हूल दिवस पर सिधो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर दी गई श्रद्धांजलि

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने महान वीर शहीदों के बलिदान को किया नमन

लोहरदगा(बिभा)। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार 30 जून को समाहरणालय परिसर लोहरदगा में उपायुक्त संदीप कुमार मीना और पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी सहित जिला प्रशासन के पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी वीर शहीद सिधो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सिधो-कान्हू ने अन्याय, शोषण एवं ब्रिटिश शासन के विरुद्ध समाज को संगठित कर ऐतिहासिक हूल आंदोलन का नेतृत्व किया। उनका साहस, त्याग और बलिदान आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। हूल दिवस हमें अपने वीर शहीदों के संघर्ष, स्वाभिमान एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, पीडी आइटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनन्दन बड़ाईक, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अंगरनाथ स्वर्णकार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

मकईयाटांड पुलिस पिकेट पहुंचे एसपी कुमार गौरव, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

लातेहार(बिभा)। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र स्थित मकईयाटांड पुलिस पिकेट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पिकेट की सुरक्षा व्यवस्था का गहन जायजा लिया और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पिकेट परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही संतरी ड्यूटी पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ निभाने का निर्देश दिया। एसपी कुमार गौरव ने पिकेट में तैनात जवानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए जवानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान पुलिस बल को हर परिस्थिति में सतर्क एवं मुस्तैद रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया।

हूल दिवस पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

बिभा संवाददाता

उधवा। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित हाईस्कूल के सामने झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर बारी-बारी से माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली ने किया। इस दौरान झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली,कांग्रेस के जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी,झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य एखलाखुर रहमान,प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल,कोषाध्यक्ष अब्दुल शेख,जिला संगठन सह सचिव काजू मल्लिक,प्रमुख स्टेनशिला सोरेन,उपप्रमुख मामलोत शेख,जिला परिषद सदस्य

रानी हांसदा,पतौड़ा पंचायत की मुखिया धनी पहाड़िन,फिरोज शेख, संजय मंडल,वर्णवास सोरेन, कीनू सोरेन, जैनुल आबेदीन, तमरूद्दीन शेख,मो. ताजदार, खबीर आलम, बबलू हांसदा,सरफराज उर्फ पिंटू,मो. इब्राहिम,अनवारूल हक,अंबर सिन्हा, यासिन शेख, जियाउल हक, प्रदीप मंडल, साबिना आसमिन, मंगल मरांडी,भैय्या किस्कू, कीनू सोरेन,गुलाब शेख,जहांगीर अली,वहीदुल इस्लाम,मो. केशरूल,दिलीप मंडल,असरफ अली सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने बारी-बारी से सिदो-कान्हू के

प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली ने कहा कि 30 जून 1855 को सिदो-कान्हू,चांद-भैरव और फूलो-झानो के नेतृत्व में अंग्रेजों और महाजनों के खिलाफ जो हूल क्रांति हुई थी। वह जल-जंगल-जमीन की रक्षा का पहला संगठित विद्रोह था। उन्होंने कहा कि आज के दिन हमें संकल्प लेना है कि जल-जंगल-जमीन और आदिवासी-मूलवासी अस्मिता की रक्षा के लिए हमेशा संघर्षरत रहेंगे।

जिला के 1090 बूथ क्षेत्रों में एसआईआर शुरू

बीएलओ एसआईआर स्टीकर चिपकाया ओर फॉर्म वितरण किया

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड में 30 जून मंगलवार से विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर शुरू किया है। एसआईआर के पहले दिन जिला के 1090 बूथों में अधिसूचना जारी की गई। वही बीएलओ ने बूथों में वोटरों, बीएलए टू के साथ आम सभा करके एसआईआर की जानकारी ओर फॉर्म की जानकारी दी। वही बीएलओ घर घर जाकर एसआईआर के तहत फॉर्म नंबर 6, फॉर्म नंबर 7 व फॉर्म नंबर 8 का वितरण किया गया। फॉर्म नंबर छह वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, फॉर्म नंबर सात अगर किसी मतदाता का मृत्यु हो गया है तो उसकी जानकारी देने, फॉर्म नम्बर आठ मतदाता का सुधार के लिए वितरण किया गया। वही घर घर एसआईआर स्टीकर चिपकाने का कार्य किया जा रहा है। एसआईआर के तहत प्रत्येक मतदाता को बीएलओ दो प्रतियों में इन्म्यूरेशन फॉर्म घर घर बीएलओ उपलब्ध कराएगी। मतदाताओं को इस फॉर्म में सही एवं पूर्ण जानकारी भरकर अपने बीएलओ को वापस जमा करना होगा। यदि कोई मतदाता चाहे तो भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट या पोर्टल से भी इसे डाउनलोड कर सकता है। यदि कोई मतदाता वर्ष 2003 की मतदाता सूची में पहले से पंजीकृत था, तो उसे अपना आवश्यक विवरण भरना होगा। यदि कोई मतदाता वर्ष 2003 की मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं था, तो उसे अपने माता-पिता अथवा दादा-दादी, नाना-नानी से संबंधित आवश्यक विवरण भी देना होगा। यदि किसी कारणवश बीएलओ के आने के समय घर पर कोई सदस्य उपस्थित नहीं होता है, तो आपके घर पर लगाए गए एसआईआर स्टिकर पर बीएलओ का संपर्क नंबर अंकित होगा। मतदाता उस नंबर पर संपर्क कर अपनी सुविधा के अनुसार बीएलओ से मिल सकते हैं और फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं।

जिला क्रिकेट संघ ने मनाया हूल दिवस

साहेबगंज(बिभा)। हूल दिवस के अवसर पर जिला क्रिकेट संघ ने मंगलवार को सिदो-कान्हू स्टेडियम में वीर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा ने किया। अतिथि के रूप में मौजूद जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा ने कहा कि वीर सिदो-कान्हू की शहादत हमें लगातार संघर्ष करते रहने की प्रेरणा देती है। मौके पर सुरेश साह, सतीश सिन्हा, मो अनाउल्लाह सहित अन्य मौजूद थे।

मंडल कारा पहुंचे पीडीजे, बंदियों से संवाद कर परखी स्वास्थ्य व कानूनी सहायता की व्यवस्था

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज अखिल कुमार ने मंगलवार को मंडल कारा साहेबगंज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का दौरा कर बंदियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। वहीं निरीक्षण के दौरान अखिल कुमार ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, भोजन की व्यवस्था तथा मुकदमों में पैरवी के लिए अधिवक्ता की उपलब्धता से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जिन बंदियों के वाद में जमानत या अपील दायर नहीं की गई है अथवा जो आर्थिक रूप से अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता की सेवा प्रदान कर उचित कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने जेल परिसर, विशेषकर शौचालयों की साफ-सफाई को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। बीमार बंदियों के लिए बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कारा कर्मियों को विशेष दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। साथ ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने महिला बैरक का भी निरीक्षण किया तथा महिला बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। वहीं निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय, रसोईघर, भोजन की गुणवत्ता तथा जेल में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सभी सुविधाएं बंदियों को उपलब्ध कराई जाएं तथा इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। इस अवसर पर अखिल कुमार ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा, आप सभी किसी न किसी अपराध के आरोप में जेल में हैं, लेकिन यह आपके जीवन का अंत नहीं है। आत्मचिंतन करें, अपने जीवन में सुधार लाएं और समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में लौटें।ह्व उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों को मानसिक एवं नैतिक सुधार की दिशा में प्रेरित किया जाए तथा समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए, जिससे वे पुनः समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अरविंद गोयल व उनकी टीम तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

हूल दिवस पर वीर सिदो कान्हू को पक्ष-विपक्ष ने दी श्रद्धांजलि

दुमका(बिभा)। हूल वर्ष 1855 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी, जमींदारों और साहूकारों के शोषण के खिलाफ आदिवासियों की ओर से छेड़े गए ऐतिहासिक संथाल हूल (विद्रोह) की स्मृति में दुमका के सिदो कान्हू चौक पर सिदो कान्हू की प्रतिमा पर सत्ताधारी दल झामुमो, कांग्रेस और भाजपा सहित कई संगठनों ने माल्यार्पण कर हूल दिवस मनाया। इस अवसर पर झामुमो विधायक बसंत सोरेन ने माल्यार्पण करने के बाद कहा कि आज के दिन को लोगों को जरूर याद करना चाहिए। सिदो- कान्हू के किये कार्यों को हमें प्रेरणा के रूप में लेना चाहिए। सिदो कान्हू के सपनों को हमारी सरकार निरंतर साकार करने प्रयास कर रही है। वहीं भाजपा ने हूल दिवस पर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे क्षेत्र में अवैध खनन, जमीन की गलत तरीके से खरीद फरोख्त के साथ एसपीटी और सीएनटी एक्ट का उलंघन किया जा रहा है। सरकार का काम सिर्फ कागज और कलम पर ही सिमट कर रह गई है। सरकार के गलत कार्यों के खिलाफ भाजपा आंदोलन करेगी। वहीं जिला प्रशासन की ओर से भी उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने माल्यार्पण कर वीर सिदो-कान्हू को नमन किया।

दिव्यांग बच्चों को बताए गए कानूनी अधिकार, निःशुल्क विधिक सहायता के लिए जागरूक किया गया

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। मानसिक एवं बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उन्हें समय पर निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) साहेबगंज द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।
व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित लोक अदालत कक्ष के साथ-साथ मूक-बधिर विद्यालय, साहेबगंज में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बताया गया कि मानसिक या शारीरिक दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों में कोई कमी नहीं लाती। सभी को समान अवसर, सम्मानपूर्वक जीवन और न्याय पाने का अधिकार है। डीएलएसए के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ₹मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों को विधिक सेवाएँ योजना-2024₹ के तहत चलाया जा रहा है। उन्होंने अभिभावकों और आम नागरिकों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई मानसिक रूप से अस्वस्थ या बौद्धिक दिव्यांग व्यक्ति सहायता का पात्र हो तो इसकी सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकार को दें, ताकि उसे समय पर कानूनी और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। वहीं कार्यक्रम में प्रतिभागियों को निःशुल्क विधिक सहायता के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन 15100 की जानकारी भी दी गई। इस दौरान लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पारा लीगल वॉलंटियर्स, विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

18 जुलाई को विशेष लोक अदालत, चेक बाउंस मामलों का होगा समझौते से त्वरित निपटारा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिले में चेक बाउंस परक्राम्य लिखत अधिनियम/एनआई एक्ट से जुड़े मामलों के शीघ्र और सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए 18 जुलाई 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह पहल राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर की जा रही है। देशभर में 18 जुलाई को एनआई एक्ट के मामलों के लिए विशेष लोक अदालत आयोजित करने का कार्यक्रम तय किया गया है। इस संबंध में मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज अखिल

कुमार ने न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन स्तर के चेक बाउंस मामलों को आपसी सहमति के आधार पर निपटाने की रणनीति बनाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से बताया गया कि इसके लिए पूर्व-लोक अदालत काउंसिलिंग शुरू की जा रही है। साथ ही, चिन्हित मामलों की सूची झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार को भेजी जा रही है। पक्षकारों को समय पर नोटिस उपलब्ध कराने के लिए पैरा लीगल वॉलंटियर्स (न्याय मित्र) की मदद ली जाएगी, जबकि समझौता कराने में विधिक मध्यस्थों का सहयोग भी लिया जाएगा। विशेष लोक अदालत के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जिले में व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत होर्डिंग, बैनर तथा प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से जानकारी दी जाएगी।
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने नागरिकों, व्यवसायियों और संबंधित पक्षकारों से अपील की है कि वे चेक बाउंस मामलों के निःशुल्क, त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए विशेष लोक अदालत का लाभ उठाएं। इच्छुक पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायालय साहेबगंज या अनुमंडल विधिक सेवा समिति, राजमहल में आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन 15100 या मोबाइल/व्हाट्सएप 9471521725 पर संपर्क किया जा सकता है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बड़ा उलटफेर, मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को किया बाहर

मैक्सिको (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद गोलकीपर यासीन बोनू की शानदार बचाव और इस्माइल सैबारी के निर्णायक गोल ने मोरक्को को यादगार जीत दिला दी।

पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को ने मारी बाजी

मैक्सिको के एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चार राउंड के बाद पेनल्टी शूटआउट का स्कोर 2-2 से बराबर था। ऐसे में मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने नीदरलैंड के क्रिसेंसियो समरविले की पेनल्टी को शानदार अंदाज में रोक दिया। इसके बाद इस्माइल सैबारी ने दबाव में शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचाया और मोरक्को को 3-2 से जीत दिला दी।

गाकपो ने दिलाई बढ़त, डियोप ने बराबरी कराई

मुकाबले में पहला गोल नीदरलैंड की ओर से कोडी गाकपो ने 72वें मिनट में किया। क्रिसेंसियो समरविले के शानदार पास पर गाकपो ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद डच खिलाड़ी जश्न मनाने मैदान पर दौड़ पड़े और भावुक गाकपो को गले लगाया। हाल ही में गाकपो और उनकी साथी नोआ वैन डेर बिज ने अपने अजन्मे बच्चे को खो दिया था, जिसके कारण यह गोल उनके लिए बेहद भावनात्मक पल बन गया। हालांकि, मोरक्को ने हार नहीं मानी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (91वें मिनट) में चेम्सदीन तालबी के शानदार क्रॉस पर इस्सा डियोप ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

अतिरिक्त समय में नहीं निकला नतीजा

30 मिनट के अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। यह फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा मुकाबला रहा, जिसका नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। इससे पहले पराग्वे ने जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

टॉप-7 टीमों की टक्कर में मोरक्को भारी

यह मुकाबला विश्व रैंकिंग की दो शीर्ष टीमों के बीच था। मोरक्को फीफा रैंकिंग में छठे और नीदरलैंड सातवें स्थान पर है। इस जीत के साथ मोरक्को ने लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली।

न्यूजीलैंड / इंग्लैंड : टॉम लैथम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतकर एलीट कप्तानों की लिस्ट में शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क। टॉम लैथम की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम टेस्ट में 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। बेन स्टोक्स की टीम को 373 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंतिम दिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाए, लेकिन वह हार नहीं टाल सके।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती। साथ ही 1999 के बाद इंग्लैंड में तीन या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी किया।

टॉम लैथम एलीट कप्तानों की सूची में शामिल

इस ऐतिहासिक जीत के साथ टॉम लैथम ने कप्तानी में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसे सिर्फ छठे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड दोनों देशों में जाकर टेस्ट सीरीज जीती है। इतना ही नहीं, 21वीं सदी में लैथम पहले विदेशी कप्तान हैं जिन्होंने यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। इस प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल विदेशी कप्तानों में शामिल कर दिया है।

भारत के बाद इंग्लैंड में भी बजा जीत का डंका

इंग्लैंड में मिली यह जीत लैथम की 2024 में भारत में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद आई है। तब न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब किसी विदेशी टीम ने भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। अब इंग्लैंड में सीरीज जीतकर लैथम ने लगातार दुनिया की दो सबसे कठिन विदेशी चुनौतियों को जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

'बैजबॉल' नहीं, पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट से मिली सफलता

सीरीज जीतने के बाद टॉम लैथम ने कहा कि यह न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने टीम की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे दौरे में अनुशासन और धैर्य के साथ प्रदर्शन किया। लैथम ने इंग्लैंड की आक्रामक 'बैजबॉल' रणनीति पर भी अप्रत्यक्ष टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी टीम ने पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट खेलकर सफलता हासिल की और यही जीत की सबसे बड़ी वजह रही।

बेन स्टोक्स को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाला खिलाड़ी'

मैच के बाद टॉम लैथम ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट को नई दिशा दी और उनके खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। लैथम ने कहा, 'बेन स्टोक्स पीढ़ी में एक बार आने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले 15 वर्षों में इंग्लैंड क्रिकेट के लिए जो योगदान दिया है, वह हमेशा याद रखा जाएगा। हम उनके शानदार करियर के लिए उन्हें बधाई देते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

फीफा विश्वकप : पैराग्वे ने पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को 4-3 से हराकर किया हैरान

बोस्टन (एजेंसी)। पैराग्वे ने फीफा विश्वककप फुटबॉल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहने के बाद मुकाबल पेनाल्टी शूटआउट में चला गया जहां पैराग्वे ने बाजी मार ली।

पैराग्वे की ओर से मैच के 42वें मिनट में जूलियो एन्सिसो ने हेडर के जरिए गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बाी जर्मनी ने पलटवार करते हुए दूसरे हाफ के 52वें मिनट में काई हावट्र्ज के गोल से मुकाबला 1- से बराबरी पर ला दिया।

वहीं अतिरिक्त समय में जर्मनी ने जोनाथन टाह के हेडर से गोल कर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर वीडियो असिस्टेंट रेफरी की समीक्षा में फाउल होने के कारण ये गोल अमान्य कर दिय गया। जिससे मुकाबला फिर बराबरी पर पहुंच गया। ऐसे में पेनल्टी शूटआउट का अवसर दिया गया। जिसमें पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो गोल रोक दिये। वहीं जोस कैनाले ने सडन डेथ में पेनल्टी को गोल में बदलकर पैराग्वे को 4-3 से शानदार जीत दिलाई। इससे पहले विश्वकप में दोनो टीमों के बीच साल 2002 में मुकाबला हुआ था। तब जर्मनी ने पैराग्वे को 1-0 से हराया था। अब करीब 24 साल बाद पैराग्वे ने जर्मनी को हराकर उस हार का बदला ले लिया है। पैराग्वे का समाना अब राउंड ऑफ-16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से भिड़ेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

-वैभव को मिल सकता है डेब्यू का अवसर

चेस्टर ली स्ट्रीट (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को इससे पहले आयरलैंड जैसी कमजोर टीम से हार का सामना करना पड़ा था। जिससे मिले सबक को ध्यान में रखने हुए भारतीय टीम का लक्ष्य बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच खेलने हैं।

इस सीरीज के पहले मैच में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का अवसर मिलेगा या नहीं ये देखना होगा। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्पष्ट किया है कि सूर्यवंशी को भी अन्य खिलाड़ियों की तरह एकादश में जगह बनाने के लिए प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा।, उन्होंने हालांकि वैभव की प्रशंसा करते हुए उसे योग्य बताया है। डोएशे ने माना है कि आयरलैंड से मिली 0-2 की हार के बाद टीम में निराशा है, जिससे बड़े बदलावों की संभावना बढ़ गई है।

गौरतलब है कि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दोनो ही मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उन्हें आराम देकर अभिषेक शर्मा के साथ वैभव को पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला सकता है। सैमसन के अलावा ईशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में प्रबंधन उन्हें भी बाहर कर सकता है।

इंग्लैंड में सफलता के लिलए भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में तुरंत बदलाव करना होगा, क्योंकि इंग्लैंड में बेलफास्ट की तरह ही तेज और उछाल वाली पिचें हैं। बेलफास्ट में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे।

इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर, जोश टंग जैसे तेज गेंदबाज और आदिल रशीद, रेहान अहमद जैसे अच्छे स्पिनर हैं। अगर भारतीय बल्लेबाज इन गेंदबाजों के खिलाफ हालात से तालमेल बिठाने में असफल रहे तो उसके लिए जीतना कठिन होगा। मेजबान टीम को घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा।

इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक के अलाव जोस बटलर, जोर्डन कॉक्स और फिल सॉल्ट जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पकड़ बनाने के बाद बीच के ओवरों में विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे थे जिससे मैच हाथ से फिसल गया था। इस बार ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के बल्लेबाज आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। इसलिए भारतीय गेंदबाजों को कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड- हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

हैरी ब्रूक को बनाया जाये नया टेस्ट कप्तान : स्टोक्स

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक ही संन्यास लेने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि कप्तानी संभालने के लिए युवा खिलाड़ी हैरी ब्रूक सबसे बेहतर रहेंगे। 27 वर्षीय ब्रूक अभी सीमित ओवरों की कप्तानी कर रहे हैं। गौरतलब है कि कप्तानी स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद अचानक ही खेल को अलविदा कहने की घोषणा कर दी थी। संन्यास की घोषणा के बाद अब स्टोक्स चाहते हैं कि ब्रूक को टीम की कमान मिलनी चाहिए। स्टोक्स के अनुसार ब्रूक लंबे समय से टीम के उपकप्तान हैं और नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्टोक्स ने कहा, उन्हें इस टीम का उपकप्तान किसी वजह से बनाया गया है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और इस टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। स्टोक्स ने यह भी साफ किया कि उनकी गैरमौजूदगी में जो रूट को कप्तानी देने के फैसले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपकप्तान का पद किसी खिलाड़ी को भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करने के लिए ही दिया जाता है और उन्होंने स्वयं भी जो रूट के नेतृत्व में इसी सफर को तय किया था, जो बाद में टेस्ट कप्तान बने। स्टोक्स जहां ब्रूक को टेस्ट कप्तान बनाने के पक्ष में हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम प्रबंधन इस फैसले में जल्दबाजी नहीं करना चाहता, क्योंकि ब्रूक पहले से ही एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें टेस्ट टीम की कमान भी सौंपी जाती है तो उनके ऊपर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव आ सकता है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति युवा कप्तान के प्रदर्शन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि ब्रूक टेस्ट कप्तान बनते हैं तो उन्हें सीमित ओवरों के किसी एक प्रारूप की कप्तानी छोड़नी पड़ सकती है, ताकि काम के बोझ को संतुलित किया जा सके। ऐसे में सैम करन और जैकब बेथेल को व्हाइट-बॉल टीम की कप्तानी दी जा सकती है। दूसरी ओर इस पूरे मामले पर इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने इंतजार करने को कहा है।

विंबलडन टेनिस 2026: सिनर और जोकोविच जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में सर्बिया के मिओमिर केमैनोविक को पांच सेटों तक चले एक रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-7 (6), 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं एक अन्य मैच में विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने भी जीत के साथ शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह बनायी है।

सिनर और केमैनोविक के मैच की बात करें तो शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद सिनर ने शानदार वापसी करते हुए और करीब साढ़े तीन घंटे तक चले मुकाबले के बाद अंत में जीत दर्ज की।

सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी सिनर को शुरुआत में ही कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दुनिया के 50वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केमैनोविक ने अपनी आक्रामक खेल शैली और सटीक शॉट्स के दम पर पहले सेट में 6-4 से जीत हासिल कर सभी को हैरान कर दिया। इसके बाद सिनर ने जल्द ही अपनी लय पकड़ी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का खेल तीसरे सेट में भी जारी रहा, जहां हर अंक के लिए जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। यह सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, और केमैनोविक ने 8-6 के स्कोर के साथ टाई-ब्रेक जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली, जिससे सिनर पर दबाव और बढ़ गया।

सिनर ने चौथे सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का बखूबी इस्तेमाल करते हुए केमैनोविक पर दबाव बनाया और 6-2 से जीत हासिल कर मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच लिया। पांचवें और अंतिम सेट में सिनर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने 6-3 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वहीं जोकोविच ने एक अन्य मुकाबले में चीन के वू यिबिंग को चार सेट तक चले संघर्ष के बाद 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 हराया। अब दूसरे दौर में जोकोविच का सामना यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास से होगा।

एशियाई खेलों के लिए हरमनप्रीत की कप्तानी बरकरार, यास्तिका की जगह कमलिनी शामिल

-15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित की गयी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों 2026 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के पास ही रहेगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम को टी20 विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी बोर्ड का उनपर भरोसा बना हुआ है। ऐसे में हरमनप्रीत का लक्ष्य एशियाई खेलों में भारतीय टीम को खिताब जिताना रहेगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही 17 साल की एक उभरती हुई क्रिकेटर जी. कमलिनी को भी पहली बार शामिल किया गया है।

17 वर्षीय युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कमलिनी को अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की जगह पर लिया गया है। कमलिनी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 मैच खेले हैं। कमलिनी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह मिली है जिसमें वह बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की टीम में वापसी हुई है हालांकि उनको टीम में जगह फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगी। चोट के कारण श्रेयंका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थीं। ऐसे में उनकी जगह पर प्रेमा रावत को टीम में शामिल किया गया था पर वह प्रभावित नहीं कर पायी थीं, प्रेमा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया था पर वह केवल एक मैच ही खेल सकीं और उस मुकाबले में उन्होंने अपने दो ओवर में 21 रन दिए थे।

भारतीय महिला टीम ने साल 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था जिसे वह इस बार भी बरकरार रखने उतरेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में यह टीम युवा जोश और अनुभव का सही मिश्रण प्रतीत होती है, जो उम्मीद है कि एशिया के सबसे बड़े खेल महाकुंभ में भारतीय टीम इस बार भी स्वर्ण पदक जीतेगी।

टीम इस प्रकार है- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पटिल* (फिटनेस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

महिला क्रिकेट को सभी विभागों में सुधार करना होगा : मजूमदार

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि टीम को अभी खेल के तीनों विभागों बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरुरत है। अमोल के अनुसार टीम टी20 विश्वकप में इन सभी क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पारी जिसके कारण ही उसे हार का सामना करना पड़ा है। साथ ही कहा कि टीम का सामूहिक प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा जिसकी ऐसे बड़े टूर्नामेंट में उम्मीद की जाती है। मजूमदार ने भविष्य की रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें अपनी रणनीति और अपने टी20 खेल पर नए सिरे से विचार करना होगा।

स्टोक्स के आसान नहीं होगा संन्यास के बाद मैदान से दूर रहना : सचिन

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अचानक की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को सोशल मीडिया के जरिये दिये अपने संदेश में कहा है कि उनके लिए मैदान से दूर रहना कठिन होगा। इस दौरान सचिन ने स्टोक्स के निडर अंदाज और जीत के जज्बे के सथ ही प्रेरणादायक कप्तानी की जमकर प्रशंसा की। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास की घोषणा कर 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का सामापन कर दिया। तेंदुलकर ने स्टोक्स के खेल को अलविदा कहने के फैसले पर कहा कि ऑलराउंडर ने हर मैच में जो ऊर्जा दिखाई, वह हमेशा ही अद्वितीय रही। उन्होंने स्टोक्स के एक ऑलराउंडर और कप्तान के तौर पर टीम में पड़े प्रभाव की भी सराहना की है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिय में लिखा, ' स्टोक्स, मुझे इसलिए पसंद रहे क्योंकि वह खेल में काफी ऊर्जा लेकर आते थे। उनका सकारात्मक रवैया, बेखौफ इरादा और दबाव में मैच का रुख पलटने की कला हमेशा याद आयेगी।卐 उन्होंने स्टोक्स को इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक बताया। साथ ही लिखा, 卐एक ऑलराउंडर के तौर पर आप इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में रहे हैं। कप्तान के रूप में आपकी साहसिक रणनीतियां और खेल को सहज समझने की क्षमता ने आपकी टीम को एक नई दिशा दी।'

आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार

-सोफी एक्लेस्टोन तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अंतराष्ट्रीय टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर श्री चरणी नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल बल्लेबाजी में और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ऑलराउंडरों में नंबर-1 पर कायम हैं।इसके अलावा सभी श्रेणियों में कई बदलाव शीर्ष पांच खिलाड़ियें में हुए हैं। आईसीसी टी20 विश्वकप में प्रदर्शन के आधार पर ये बदलाव हुए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में, श्री चरणी ने विशवकप में 14 विकेट लिए। वहीं गेंदबाजों की शीर्ष-5 रैंकिंग में शामिल इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन विश्वकप में आठ विकेट लेने के कारण एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुँच गई हैं, जबकि उनकी साथी लॉरेन बेल तीन पायदान ऊपर आकर चौथे स्थान पर आ गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की नॉनकुलुलेक म्लाबा एक स्थान ऊपर पाँचवें और पाकिस्तान की अनुभवी नशरा संधू एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुँच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज मारिजाने कैप सात स्थान के लाभ के साथ ही 14वें, स्कॉटलैंड की ऑलराउंडर कैथरीन ब्राइस 17 स्थान ऊपर आकर 26वें और न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग छह स्थान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर पहुँच गयी हैं।

बल्लेबाजों की सूची में, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल अपनी नंबर-1 पर बनी हुई हैं, जबकि उनकी साथी खिलाड़ी बेथ मूनी दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने एक स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू, जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था, दो स्थान के लाभ के साथ ही सातवें नंबर पर आ गई हैं। इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट हॉज पाँच पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुँच गई हैं। भारत के खिलाफ 56 रनों की शानदार पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी क्रिकेटर एलिस पेरी ने पाँच स्थान के लाभ के साथ ही 17वें स्थान पर पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन चार स्थान ऊपर 24वें पर और स्कॉटलैंड की डार्सी कार्टर 13 स्थान ऊपर 42वें पर पहुंच गयी हैं। ऑलराउंडर्स की सूची में, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज नंबर एक पर बनी हुई है, जबकि न्यूजीलैंड की अमेलिया केर दूसरे नंबर पर हैं। आयरलैंड की स्टार ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने दो स्थान ऊपर आकर संयुक्त तीसरे स्थान पर आ गयी हैं। मारिजाने कैप एक स्थान चढ़कर आठवें पर, ब्राइस तीन स्थान चढ़कर 11वें पर और एनाबेल सदरलैंड दो स्थान चढ़कर 17वें पर पहुंच गयी हैं।

भाजपा सोची-समझी रणनीति के तहत देशभर में करा रही एसआइआर : विनोद

बिभा संवाददाता

पलामू। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला समिति के तत्वावधान में मेदिनीनगर में मंगलवार को बूथ सम्मेलन सह बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट) प्रशिक्षण शिविर का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता झामुमो के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रदेश महासचिव विनोद पांडेय ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस अवसर पर पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने महासचिव का माल्यार्पण कर और बुके भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव विनोद पाण्डेय ने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकताओं और बीएलए-2 का सम्मेलन कार्यकताओं की जिम्मेदारियों के प्रति प्रशिक्षित करने के लिए किया गया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथों की वोटर लिस्ट पर पैनी नजर रखें। चुनाव आयोग के नोटिफाइड बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी योग्य या जो युवा 18 वर्ष के होने वाले हैं, उनका नाम मतदाता सूची से न छूटे।

विनोद पांडेय ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक सोची-समझी रणनीति के तहत देश भर में एसआईआर करा रही है, जिसके माध्यम से केवल अपने समर्थकों के नाम जोड़े जा रहे हैं और विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो इस तरह की किसी भी रणनीति से डरने वाला नहीं है और भाजपा की हर चाल को नाकाम करेगी।

डालटनगंज और छतरपुर जैसे विधानसभा क्षेत्रों में ह्यअनमैप्डह्व मतदाताओं की अधिक संख्या होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम किसी भी क्षेत्र को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं।

मौके पर जेएमएम जिला कार्य समिति सदस्य सानू सिद्दीकी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुशीला पाण्डेय, अविनाश देव, सन्नी शुक्ला, रंजन चंद्रवंशी, अभिषेक सिंह, जुगल किशोर चंद्रवंशी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय नेता और बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फास्ट फूड दुकान की आड़ में चल रहा था अवैध शराब का कारोबार, लाखों की 463 बोतल शराब जब्त; दुकानदार गिरफ्तार, पांच पर एफआईआर

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के अड़की थाना क्षेत्र में फास्ट फूड दुकान की आड़ में संचालित अवैध शराब कारोबार का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में सोमवार देर रात अड़की स्थित हब्लू डब्लू फास्ट फूड दुकान एवं संचालक के घर पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान विभिन्न ब्रांडों की देशी एवं विदेशी शराब की कुल 463 छोटी-बड़ी बोतलें बरामद की गईं, जिनकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने मौके से दुकान संचालक अजय कुंडू उर्फ हब्लू कुंडू (21) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के आधार पर उसके घर की तलाशी लेने पर भी भारी मात्रा में शराब बरामद हुई। मामले में अजय कुंडू एवं विजय कुंडू उर्फ डब्लू कुंडू सहित पांच लोगों के विरुद्ध अड़की थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा ने बताया कि काफी दिनों से फास्ट फूड दुकान की आड़ में अवैध शराब की बिक्री किए जाने की सूचना मिल रही थी। इसी आधार पर गठित टीम ने दुकान और मकान में एक साथ छापेमारी की। बरामद शराब के संबंध में कोई वैध खरीद बिल या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

उन्होंने बताया कि जब्त शराब की गुणवत्ता की भी जांच कराई जाएगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि शराब मिलावटी है या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब कहां से लाई गई थी और इसके अवैध नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस छापेमारी अभियान में एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा, अड़की थाना के पुलिस पदाधिकारी अरुण कुमार तथा अड़की थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

सर्प दंश से मौत, अब तक 10 से अधिक लोगों को क क चुका है साँप

खूँटी (बिभा)। जिले के विभिन्न देहाती क्षेत्रों में इन दिनों साँप के काटने से हो रही मौत की संख्या बढ़ती जा रही है। किसी को घर में तो किसी को खेतो में साँप काट रहे हैं। जिसमें अनेक लोगों की मौत हो चुकी है। विगत सोमवार की रात को सयको थाना क्षेत्र के कुदा पंचायत अंतर्गत रुईटोला गाँव में 25 वर्षीय एक व्यक्ति को साँप ने डस लिया । जिसके ईलाज में देर होने के कारण उसकी मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि बीती रात परिवार के साथ जमीन में ही बिछावन डालकर मंगरु मुंडू उसकी पत्नी और बच्चे सो रहे थे । इसी क्रम में उसे साँप ने डस लिया। इससे उसके पैर में जलन हुआ तो देखा कि करैत साँप ने उसे काट लिया है। जिसके बाद सारे लोग जग गये । लेकिन अस्पताल लाते तब तक उसकी जान निकल गई थी। मंगरु मुंडू के भाई ने बताया कि खाना खाकर सारे लोग जमीन में ही बिछावन डालकर सो रहे थे। देर रात लगभग 11 बजे एक सांप घुस आया और भाई के पैर में काट दिया । जिससे उसकी मौत हो गयी । मंगरु उसका बड़ा भाई है जिसकी एक बेटी और छोटा बेटा है। सर्प दंश के बाद पति की मौत से परिवार दुखित है। वहीं पत्नी को एक शिशु और एक बच्ची की देखभाल करना और शिक्षा दीक्षा के लिए समस्या का चिंता सताने लगा है।

चक्रधरपुर मंडल के मशीन ब्लॉक से जुलाई से नवंबर तक कई ट्रेनें रहेंगी रद्द

जमशेदपुर(बिभा)। टाटानगर और राउरकेला के बीच नियमित यात्रा करने वाले हजारों रेल यात्रियों को अगले कई महीनों तक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल ने रेल पटरियों और अन्य आधारभूत संरचनाओं के रखरखाव,ट्रैक मशीनों से मरम्मत कार्य और सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए राउरकेलाझकंसबहालझडिह रेलखंड में तीन घंटे का मशीन ब्लॉक लेने का निर्णय लिया है। इस कारण 05 जुलाई से 22 नवंबर 2026 तक विभिन्न तिथियों में कई एक्सप्रेस,मेमू और पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन रद्द रहेगा। इस निर्णय का सबसे अधिक असर टाटानगर से राउरकेला,चक्रधरपुर, झारसुगुड़ा, हटिया और पुरी की ओर यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों तथा व्यवसायियों पर पड़ेगा। विशेष रूप से टाटानगरझराउरकेला मेमू ट्रेन के रद्द रहने से दोनों शहरों के बीच प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेनों या सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ सकता है। मंगलवार को रेलवे की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार प्रत्येक रविवार को 18175/18176 हटियाझझारसुगुड़ाझहटिया एक्सप्रेस और 68029/68030 राउरकेलाझझारसुगुड़ाझराउरकेला मेमू का परिचालन 05 जुलाई से 15 नवंबर 2026 के बीच निर्धारित तिथियों पर रद्द रहेगा। इसी प्रकार प्रत्येक गुरुवार को 18125/18126 राउरकेलाझपुरीझराउरकेला एक्सप्रेस, 18175/18176 हटियाझझारसुगुड़ाझहटिया एक्सप्रेस, 68029/68030 राउरकेलाझझारसुगुड़ाझराउरकेला मेमू और 68043/68044 टाटानगरझराउरकेलाझटाटानगर मेमू का परिचालन 09 जुलाई से 19 नवंबर 2026 तक विभिन्न तिथियों में निरस्त रहेगा। इसके अलावा 58659 हटियाझराउरकेला पैसेंजर और 58660 राउरकेलाझहटिया पैसेंजर भी जुलाई से नवंबर के बीच कई निर्धारित तिथियों में रद्द रहेंगी। इन ट्रेनों के निरस्तीकरण का असर झारखंड और ओडिशा के सीमावर्ती क्षेत्रों के यात्रियों पर भी पड़ेगा, जो रोजाना इन पैसेंजर ट्रेनों से आवागमन करते हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मशीन ब्लॉक के दौरान ट्रैक का रखरखाव, रेल लाइन की मरम्मत, मशीनों से पैकिंग और अन्य तकनीकी कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों का उद्देश्य रेल पटरियों की गुणवत्ता में सुधार करना, ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना और भविष्य में परिचालन को अधिक सुचारु बनाना है। चक्रधरपुर मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति रेलवे की आधिकारिक सूचना प्रणाली से अवश्य जांच लें। जिन यात्रियों ने पहले से टिकट बुक करा रखा है, वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बदलें। रेल प्रशासन ने आवश्यक रखरखाव कार्य के दौरान होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए यात्रियों से सहयोग की अपेक्षा की है।

पर्याप्त बारिश के अभाव में खेत का बिचड़ा बचाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं माहिल के किसान

बिभा संवाददाता

खूँटी । खरीफ फसल के लिए मौसम तो आ गया है लेकिन खूँटी जिले में इस बार पर्याप्त बारिश के अभाव में किसानों को चिंता और परेशानी में डाल दिया है। किसान काफी मेहनत करके खेत तो तैयार कर लिये हैं कि बारिश होगा तो धान की खेती करेंगे। लेकिन खेत सूखा है और बारिश का इंतिजार है। समय बीतता जा रहा है और खेत में बिचड़ा तैयार नहीं हो पाया है। माहिर गांव के चिंतित किसान समय से खेती हो सके इसलिए बिचड़ा तैयार करने के लिए धान का बीज तै छींट दिये हैं लेकिन पानी के अभाव में काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। कोई पानी ढोकर खेत ले जा रहा है तो कोई भाड़े में टैंकर से पानी भरकर खेत तक ले जा रहा है। ताकि बिचड़ा न मरे और धान का बीज बर्बाद न हो। नहीं तो फिर उनको खेती कर पाना भी मुश्किल हो जाएगा। कुछ लोग पानी का आना देख रहे हैं तो कुछ लोग मेहनत और पूंजी का जुआ खेलने को मजबूर हैं।

माहिल गाँव के किसान प्रमोद मांझी ने बताया कि खेत तो तैयार है पर बारिश नहीं होने के कारण खेत में इस बार पानी ही नहीं है। और समय पार हो रहा है । अबतक धान का बिचड़ा पूरा तैयार हो जाना चाहिए था और धान रोपाई करते थे लेकिन इस बार पानी का अभाव में बिचड़ा तैयार नहीं हो पा रहा है। कोई कोई तो बिचड़ा तैयार करने के लिए खेत तक पानी ढोकर ले जा रहे हैं और कुछ लोग भाड़े में टैंकर लेकर खेत में पानी भर रहे हैं।

कमलनाथ महतो ने बताया कि बिचड़ा छींट दिए हैं। कमलनाथ महतो ने बताया कि 8 से 15 दिन हो गया है कहीं-कहीं सूखा में भी बीज डाल दिए हैं। और बहुत जगह वीजा डाले ही नहीं है। सुख में डाल दिए थे तो वह भी बर्बाद हो गया किसान क्या करेगा पूंजी भी नहीं है इसीलिए काफी चिंता हो रही है।

बिरसा मुंडा ने बताया कि बिछड़े लगा चुके हैं लेकिन बारिश ही नहीं हो रहा है आसमान की ओर ताकते हैं यहां पानी की सुविधा हो पा रही है वहां पिछला कुछ निकल रहा है। अगर बारिश नहीं होगा तो धान का बीज बर्बाद हो जाएगा लेकिन हम लोग तो प्रकृति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए चिंता सता रहा है।

मागो मुण्डा ने बताया कि बिचड़ा बचाना है तो पटवन करना ही पड़ेगा। इसलिए मेहनत काफी करना पड़ रहा है। जबकि जितना बिचड़ा लगाना था उतना लगा नहीं पा रहे हैं। अगर दो चार दिन में पानी बरस जाता है और लगातार बारिश हो जाए तो फिर सारा धान का बिचड़ा लगा सकते हैं। अगर नहीं तो बात में कुछ लोग मजदूर के अभाव में धान रोपनी नहीं कर पाते हैं तो उनसे खेती करने के लिए बिचड़ा खरीदना पड़ेगा। तभी खेती कर पाएंगे।

रक्तदान जागरूकता में उत्कृष्ट योगदान पर 'जय हो सेवा संस्था' सम्मानित

बिभा संवाददाता

बुण्डू । ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने और लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए जय हो सेवा संस्था को ब्लड सेंटर, सदर अस्पताल रांची द्वारा सम्मानित किया गया। रांची में आयोजित सम्मान समारोह में संस्था के अध्यक्ष पवन महतो, सदस्य धनेश महतो, मोहम्मद सेराज, पंडित मनोज पाठक एवं रमन सिंह ने संस्था की ओर से सम्मान ग्रहण किया। संस्था के संस्थापक राजकिशोर कुशवाहा ने सम्मान मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि संस्था के रक्तदान शिविरों में रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों तथा पूरे पांचपरगना क्षेत्र की जनता को समर्पित है। उन्होंने कहा कि लोगों के सहयोग और विश्वास के कारण ही रक्तदान के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव संभव हो पाया है। राजकिशोर कुशवाहा ने बताया कि पांचपरगना क्षेत्र में पहला रक्तदान शिविर लगाने की शुरूआत जय हो सेवा संस्था ने की थी। संस्था के प्रयासों से प्रेरित होकर अब क्षेत्र के कई सामाजिक संगठन भी समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन कर रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में काफी सहूलियत हुई है और रक्तदान के प्रति लोगों की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है।

संस्था के पदाधिकारियों ने इस सम्मान के लिए सदर अस्पताल रांची के ब्लड सेंटर प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी संस्था समाजहित में रक्तदान जागरूकता अभियान और सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखेगी।

खूँटी जिले में गणना प्रपत्र वितरण शुरू, घर-घर पहुंच रहे पदाधिकारी

गणना प्रपत्र पूर्ण जानकारी के साथ सही भरें, ताकि मतदाता सूची हो त्रुटिरहित: ज्योति

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) का वितरण शुरू हो गया है। अभियान के तहत बूथ स्तरीय अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने हैं तथा उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रपत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करने के लिए जागरूक भी कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने स्वयं ही घरों तक जा पहुंची और गणना प्रपत्र देकर लोगों को समझायी। एक पदाधिकारी के द्वारा घरों में जाकर

सार्थक पहल अनुकरणीय है। जिन्होंने स्वयं पहल की। इससे बुथ स्तरीय पदाधिकारी सहित सभी के लिए अनुकरणीय होगा।

इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे गणना प्रपत्र को सही एवं पूर्ण जानकारी के साथ भरें, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाया जा सके। अभियान के दौरान मतदाताओं के नाम, पता, आयु एवं अन्य विवरणों का सत्यापन भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन अथवा अन्य आवश्यक बदलाव के लिए गणना प्रपत्र महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसलिए सभी नागरिक इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें और समय पर प्रपत्र जमा कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

वहीं लोगों ने अपने घरों में प्रखंड विकास पदाधिकारी को पाकर काफी खुश हुए और उनको धन्यवाद दिया।

हत्या और डायन प्रताड़ना के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

दुमका। डायन प्रताड़ना और हत्या के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, द्वितीय योगेश कुमार सिंह की अदालत ने मंगलवार को राजेश किस्कू को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने राजेश पर 20 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना की राशि भुगतान नहीं करने पर 06 माह अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इससे संबंधित मामला टोंगरा थाना में दर्ज किया गया था। जुमार्ना की राशि पीड़ित को भुगतान करना होगा। मामले में 11 गवाहों की गवाही पर न्यायालय ने फैसला सुनाया। मामले में सरकार का पक्ष अपर लोक अभियोजन भवेंद्र कुमार सोरेन ने रखा। जानकारी के अनुसार 16 सितंबर 2020 में टोंगरा थाना क्षेत्र के पोड़बथान गांव निवासी नाबालिग प्रदीप किस्कू के बयान पर हत्या और डायन उत्पीड़न का मामला आरोपित रिश्तेदार राजेश के खिलाफ दर्ज कराया गया था।

मुरहू प्रखंड सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 को लेकर बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के मुरहू प्रखंड सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के निमित्त मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी रंजीत कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक की गई। बीडीओ रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि मुरहू प्रखंड में कुल 67,000 मतदाता हैं, जिनमें से लगभग 50,000 मतदाताओं का सत्यापन (मैपिंग) किया जा चुका है। शेष मतदाताओं का कार्य 29 जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई तक मतदाता गणना प्रपत्र का वितरण किया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त तक मतदाता सूची का प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशित होगा तथा सभी दावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद 7 अक्टूबर को मतदाता सूची का

अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

मौके पर उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरिक्षण में सभी लोग अगर मिलकर सहयोग करें तो कोई भी सुयोग्य व्यक्ति नहीं छुटेगा। इसलिए स्थानीय लोगों की मदद से सभी लोग इस कार्य में कैसे सुनियोजित तरीके से करें इसपर सभी लोगों को जानकारी देना है।

बैठक के दौरान उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं, जो आम जनता के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे।

मौके पर, नेलानी देमता ने कहा कि इस बैठक से यह स्पष्ट हुआ कि सरकार प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करने के लिए गंभीर है। किसी भी योग्य मतदाता का नाम छूटे नहीं, इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने या संशोधन कराने से वंचित न रहे।

बैठक में जिला परिषद सदस्य नेलानी देमता, प्रमुख ऐलिस उराँव, उप प्रमुख अरुण कुमार साबू, मुखिया ज्योति धोधराय, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं प्रखंड के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे। ये जानकारी उपप्रमुख अरुण साबू ने दी।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने रनिया प्रखंड पहुँचे कालीचरण

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिलेभर में अनेक जगह भारत सरकार की योजना के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माण कार्य हो रहा है । जिसमें रनिया में भी कार्य हो रहा है। वहीं रनिया प्रखंड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित सड़कों की गुणवत्ता एवं निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण करने केंद्रीय जाँच एजेंसी निर्माण स्थल का भ्रमण किया। इस दौरान स्थानीय सांसद कालीचरण मुंडा ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जानकारी ली। इस योजना के हो रहे कार्य की जानकारी केंद्रीय जाँच एजेंसी के अधिकारी उपर के अधिकारियों को जानकारी देंगे।

इस प्रकार, विकास कार्यों का निरीक्षण पहले जनप्रतिनिधि कार्य स्थल पर नहीं पहुँचते थे। जिसके कारण संवेदकों में भय नहीं होता था और गुणवत्ता पूर्ण कार्य में प्रश्नचिन्ह लिए जाता था। लेकिन इस पहल से निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण होने की उम्मीद है। भले राज्य सरकार के अधिनस्थ पदाधिकारी व स्थानीय संवेदकों के माध्यम से विकास कार्य हो रहा हो।

वहीं सांसद ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी से सड़क निर्माण में अपनाए गए मानकों, गुणवत्ता तथा कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास योजनाओं में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा जनता के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सांसद ने स्पष्ट कहा कि किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो दोषी व्यक्तियों एवं निर्माण करा रहे एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर एवं टिकाऊ सड़क सुविधा उपलब्ध कराना है, इसलिए निर्माण कार्य पूरी पारदर्शिता और निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com

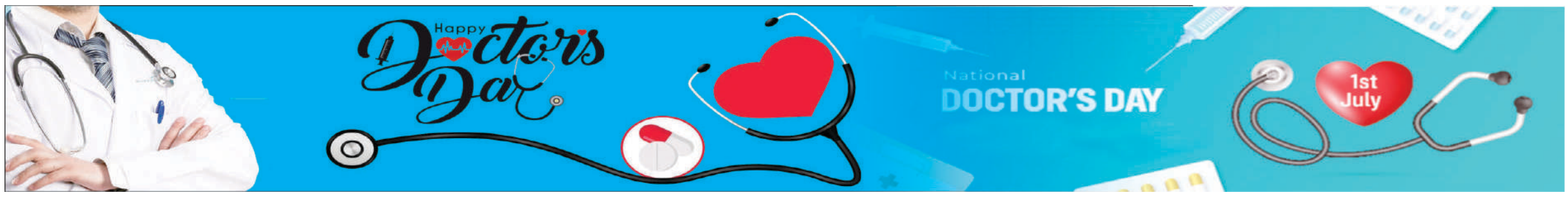

न्यूरोसाइकेट्रिस्ट एवं नशा रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन कुमार बर्णवाल
MD (Psychiatry) BHU
Ex-Chief Registrar, PGI (Chandigarh)
न्यूरोसाइकेट्री एवं नशा मुक्ति केंद्र
फर्स्ट मार्क स्कूल के सामने, फाइरिंग रेंज के निकट, बरियातू, रांची
फोन : 7765912428, 0651-2540218
Web: drpawanbarnwal.com

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एवं हेपेटोलॉजीस्ट
डॉ. चन्दन कुमार यादव
MBBS (Gold Medalist), M.D. Medicine
(Safdarjung Hospital N.Delhi Gold Medalist)
D.M. Gastro (AIIMS), Consultant Curesta Hospital, Ranchi
रांची डाइजेस्टीव गेस्टरों लिवर क्लीनिक
नियर आइ.टी.आइ बस स्टैंड, शीला कॉम्प्लेक्स, बाजरा रोड, रांची
मो.: 6203132117, 6203000803

डायबिटीज एवं थायराइड रोग विशेषज्ञ
डॉ. अजय छाबड़ा
M.B.B.S., D. Diabetology
(Consultant Diabetologist & Physician)
डॉ. छाबड़ा डायबिटीज सेंटर
मेट्रो लेन, रामविलास पेट्रोल पम्प के सामने, रातू रोड, राँची-1
Mob.: 0651-2283320, 8051173464

हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ.सपन कुमार
MBBS (RIMS, Ranchi)
MS Ortho (UCMS & GTB Hospital,DU), DNB ORTHO
EX - SR (Safdarjung Hospital Delhi)
IOA FELLOW (Kolkata), FIA (Siegen, Germany)
गंगा हॉस्पिटल
Bargain Road, Near Seven Day School, Bariatu, Ranchi
Mob.: 9122200919

फिजिशियन एंड हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. एकम कुमार
MBBS (Hons), M.D. Medicine (Pat)
Ex. Sr. Res. (Cardiology) Dr. Ram Manohar
Lohia Hospital N.Delhi Cosultant Physician & Cardiologist
आरोग्यम कार्डियक क्लिनिक
संकल्प किलबर्न कॉलोनी, नियर होटल रिवर व्यू , हिनू, रांची
Mob.: 8002256594

भारत में राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे महान चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में मनाया जाता है। 1 जुलाई को मनाने का कारण एक बहुत ही अनोखा संयोग है- इसी तारीख को यानी 1 जुलाई 1882 को उनका जन्म हुआ था और इसी तारीख को अर्थात 1 जुलाई 1962 को उनका निधन भी हुआ था। केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद करने के लिए साल 1991 में पहली बार 'राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे' मनाने शुरूआत की थी। डॉ. बी.सी. रॉय को साल 1961 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से भी नवाजा गया था।

किडनी रोग विशेषज्ञ
डॉ. अशोक कुमार बैद्य
MD; DNB (NEPH) MNAMS
Senior Consultant Nephrologist
सावित्री देवी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट
नेफ्रोन किडनी केयर क्लीनिक, राँची
Mob.: 8102409980

ई.एन.टी. स्पेशियलिस्ट
डॉ. समित लाल
MBBS, MS, (ENT)
Formerly Registrar, Jaslok Hospital, Mumbai
Formerly Asst. Prof. K.J. Somaiya Medical College, Mumbai
Formerly Secretary AOICON 2022
Secretary AOI Bihar -Jharkhand
डॉ. लाल अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर
नियर कडरू ओवर ब्रिज, कडरू, रांची-02
Mob.: 7061117676, 7707005676

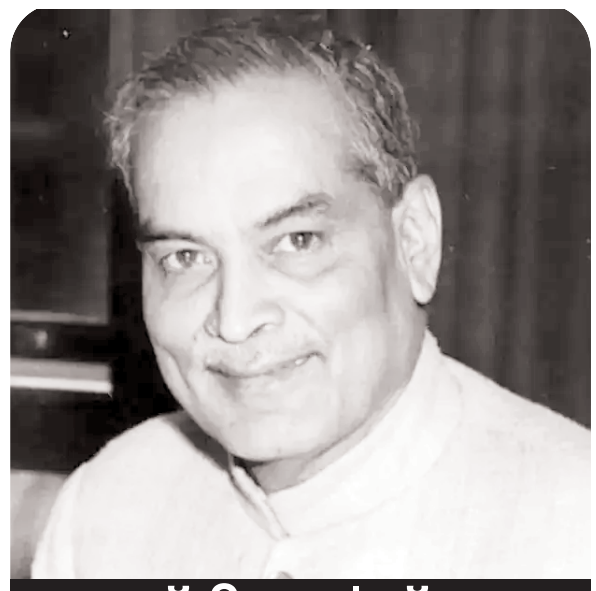
डॉ. बिधान चंद्र रॉय

ई.एन.टी. एंड स्कल बेस एंड हेड एंड नेक सर्जन
डॉ. अभिषेक कु. रामाधीन
MBBS (KEM), MD (USA), MS (ENT), FARS (USA), FIANO (ITLAY), MRCSI (UK)
Ex Clinical Associate Tuft School Of Medicine Boston, Massachusetts, USA
EAR, NOSE, THROAT & SKULL BASE, HEAD & NECK & IT'S CANCER SPECIALIST
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
RMDA Building, 4th Floor, Itki Road, Piska More, Ranchi
Mob.: 9934040203, 8210918334, 7258953555

न्युरोलजी
डॉ. प्रसेन रंजन
MBBS, MD, DM (Neurology)
SGPGI (Lucknow)
Senior Consultant Neurologist
डॉ. प्रसेन रंजन न्यूरो क्लिनिक और रिसर्च सेंटर
शांतिदीप कॉम्प्लेक्स, दूसरी मंज़िल, 203, रेडियम रोड, कचहरी चौक, रांची
मो.: 9204796515, 0651-2361176

डॉक्टर हर दिन जो महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाते हैं जो सिर्फ़ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके। अपने कर्तव्यों के मूल में, डॉक्टर सावधानीपूर्वक जांच और परीक्षणों के माध्यम से स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करते हैं। वे बीमारी को ठीक करने, लक्षणों से राहत देने या पुरानी स्थितियों का प्रबंधन करने के लिए डिजाइन किए गए उपचार प्रदान करते हैं। रोगी के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए सटीक निदान और समय पर उपचार आवश्यक है। बीमारी शुरू होने से पहले ही उसे रोकने में डॉक्टर भी अहम भूमिका निभाते हैं। इसमें मरीजों को स्वस्थ जीवनशैली के विकल्प जैसे कि आहार, व्यायाम और धूम्रपान जैसी हानिकारक आदतों को छोड़ने की सलाह देना शामिल है। वे बीमारी के जोखिम को कम करने के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण को प्रोत्साहित करते हैं। स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ न केवल रोगियों के लिए बल्कि उनके परिवारों के लिए भी तनावपूर्ण हो सकती हैं। डॉक्टर अक्सर मरीजों को उनकी स्थिति को समझने और चिंता या अनिश्चितता से निपटने में मदद करने के लिए उन्हें आश्वासन और भावनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं। देखभाल का यह पहलू ठीक होने और समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. राहुल सिन्हा
MBBS (BHU) MS Ortho (BHU)
Fellowship in Arthroscopy & Sports Medicine
Fellowship in Complex Elbow and Shoulder surgeries (University of Milan, Italy)
Director, Synergy Global Hospital
सिनर्जी ग्लोबल हॉस्पिटल
बरियातू रोड, रांची
मो.: 9341529415 , 9296511423

लैब मेडिसिन
डॉ. आकांक्षा सिन्हा
MBBS, MD (Pathology)
Director, Synergy Global Hospital
सिनर्जी ग्लोबल हॉस्पिटल
बरियातू रोड, रांची
मो.: 9341529415 , 9296511423

हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. रोहित लाल
MBBS, D.Ortho, DNB (Ortho), MNAMS
Fellow, Joint Replacement and Arthroscopic Surgeries, Sportsmed Hospital, Adelaide, Australia
डॉ. लाल अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर
नियर कडरू ओवर ब्रिज, कडरू, रांची-02
Mob.: 7061117676, 7707005676

डेंटल सर्जन
डॉ. अर्चना सिंह
B.D.S (Hons.) Lucknow, Implantologist (Sweden)
Cert. Orthodentist F.A.F.O (Kerala)
Laser Dentist (Germany), Masters in Aesthetic Dentistry and Facial Harmony (SPAIN), M.A.O.I., M.I.D.A.
कोड्स डेंटल हॉस्पिटल & इम्प्लांट सेंटर
2nd Floor, Sumati Bihar Complex, Karamtoli Road, Opp. Adivasi Hostel, Nagra Toli, Ranchi
मो.: 8298113175

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ सलाहकार
डॉ. रोजी प्रकाश
MBBS, MS (Gynaecology and Obstetrics)
Director and Consultant
Gynecologist & Obstetrician
स्वर्णरेखा हॉस्पिटल
टाटीसिलवे, नियर कैम्ब्रिज स्कूल, टाटीसिलवे, रांची
Mob.: 8002256594

डॉक्टरों की अटूट प्रतिबद्धता के लिए आभार

स्वास्थ्य और उपचार के प्रति डॉक्टरों की अटूट प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त करने का यह एक खास अवसर है. यह खास दिन डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के योगदान का सम्मान करता है साथ ही उनके निस्वार्थ भाव से लोगों को ठीक करने. उन्हें आराम देने और जीवन बचाने के लिए धन्यवाद करता है. चाहे वह रेगुलर चेकअप हो या किसी की जान बचाने के लिए कि गई सर्जरी, डॉक्टर हमेशा हमारी देखभाल के लिए मौजूद रहते हैं. नेशनल डॉक्टर्स डे' हर साल 1 जुलाई को मनाया जाता है. यह हर साल इसलिए मनाया जाता है ताकि समाज के प्रति डॉक्टरों के समर्पण और योगदान का सम्मान किया जा सके.

शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ. प्रकाश कुमार
M.B.B.S., MD, PMCH, NALS, PALS TRAIN, CONSULTANT & INTENSIVIST
शौर्या चिल्ड्रन हॉस्पिटल
आईटीआई बस स्टैंड के पीछे, लोहा सिंह मार्ग, इटकी रोड, राँची
Mob.: 7261824060

मानसिक रोग विशेषज्ञ
डॉ. केशव जी
MBBS MD (Psychiatry)
Consultant Neuro-Psychiatrist
न्यूरो मनोचिकित्सक
Mob- 9939009705

असाध्य, जीर्ण एवं जटिल रोगों के विशेषज्ञ
डॉ. उमा शंकर वर्मा
MBBS, (RAN), M.D. (MED), D.M.S. (HOM)
Chief Medical Officer, Rtd, University Hospital, BAU, Ranchi & Chief Executive Director
यू.एस. पॉलिक्लिनिक
ALLOPATHIC AND HOMEOPATHIC OPTION AVAILABLE
1 केसी कॉम्प्लेक्स, डिप्टीपाड़ा रोड, कचहरी चौक, रांची-1
Mob.: 9835167743, 8797015126

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एवं हेपेटोलॉजीस्ट
डॉ. रविश रंजन
MBBS, MD (Gen. Medicine)
DNB-Super Speciality (Gastro)
Consultant Interventional Gastroenterologist & Hepatologist
Senior Consultant Raj Hospital
"उदर" - Gastro and Liver Care Clinic
H. No-B/107, Harmu Housing Colony, Opp. Harmu Maidan
Near Annapurana Sweets, Harmu, Ranchi-834002
मो. 9608535747, 7482837697

किडनी रोग विशेषज्ञ
डॉ. अविनाश कुमार दुबे
M.B.B.S. (Gold Medalist), MD (Medicine)
DM Nephrology (JIPMER)
नेफ्रो केयर क्लिनिक
माँ दुर्गा मेडिकल, ओंकार होटल के सामने, पिस्का मोड, इटकी रोड, राँची
Mob.: 8102409980